हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 108 ● भिलाई, सोमवार 16 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### मध्य प्रदेश के खरगोन में महसूस किए गए भूकंप के झटके

**खरगोन।** मध्य प्रदेश के खरगोन में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर यह भूकंप आया, जिसकी रिएक्टर स्केल पर तीव्रता 4.5 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, खरगोन में भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। यह 21.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस हुई। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों ने भी पुष्टि की। फिलहाल, किसी जनहानि या नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले, एनसीएस ने जम्मू-कश्मीर के डोडा में भी भूकंप आने की जानकारी दी।

### गांधी परिवार पर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कंगना रनौत के खिलाफ एफआईआर दर्ज

**शिमला ।** हिमाचल प्रदेश पुलिस ने शिमला में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एफआईआर दर्ज की है। इन पोस्ट में गांधी परिवार को निशाना बनाया गया था। यह एफआईआर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनके बयान भड़काऊ थे और उनसे सार्वजनिक शांति भंग होने का खतरा था। यह मामला शुक्रवार को शिमला के रहने वाले रिटायर्ड कैप्टन अतुल शर्मा की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में शर्मा ने बताया कि 10 नवंबर को कंगना रनौत ने अपने वेरिफाइड सोशल मीडिया अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए। इन पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेट संजय गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मौतों को लेकर बेहद भड़काऊ इशारे किए गए थे। शिकायतकर्ता ने कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के बारे में की गई टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई। आरोप है कि इन पोस्ट में सोनिया गांधी को एक रहस्यमयी विदेशी नागरिक के रूप में पेश किया गया था।

### मथुरा में 16-17 नवंबर को भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, नितिन नवीन और सीएम योगी समेत जुटेंगे दिग्गज नेता

**लखनऊ।** 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले सप्ताह मथुरा में कोर ग्रुप की दो दिवसीय बैठक आयोजित करेगी। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के भी अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ शामिल होने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी मथुरा में 16-17 नवंबर को बैठक आयोजित करेगी।

**बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान**

# भय और हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का नया वातावरण-नवीन

■ जनजातीय समाज का सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि हमारी सरकार का संकल्प: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

**रायपुर/ संवाददाता**

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अपनी संस्कृति, स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महान जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन ने आज रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की पावन धरती है। श्री नवीन ने कहा कि उनकी हार्दिक इच्छा इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की थी, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके। श्री नवीन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव और आत्मसम्मान का वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देश के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री नवीन ने कहा कि जनजातीय समाज सदैव भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की जनजातीय परंपरा आज पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के गोंड, उरांव, कंवर, बैगा, कमार, हल्बा, मुरिया और माड़िया सहित सभी जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि इन समुदायों की लोककलाएँ, लोकनृत्य, पर्व और परंपराएँ छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं।



### भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का सम्मान, उसकी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण तथा प्रत्येक जनजातीय परिवार तक विकास पहुँचाना हमारी सरकार का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा सहित हमारे महान जनजातीय जननायकों ने जिस स्वाभिमानी, सशक्त और समृद्ध समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

**बाइक छुड़ाने पहुंचे दो युवक गिरफ्तार**

# जिला कलेक्टर का जाली आदेश एआई से बनाया...



**दुर्ग ।** दुर्ग जिले के भिलाई में आबकारी मामले में जब्त अपनी मोटरसाइकिल को छुड़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का सहारा लेकर कलेक्टर का जाली आदेश बनाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने इस फर्जी सरकारी आदेश को भिलाई के सेक्टर-1 स्थित आबकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया था। अधिकारियों को दस्तावेज पर संदेह होने के बाद मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से फर्जी आदेश की प्रति और अपराध में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि प्रार्थी भोजराम रत्नाकर ने भिलाई भट्ठी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दो युवक आबकारी नियंत्रण कक्ष पहुंचे थे। दोनों ने वर्ष 2025 के ए आबकारी प्रकरण में जब्त अपनी होंडा एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को वापस पाने के लिए दुर्ग कलेक्टर के नाम से जारी आदेश पेश किया।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ में आयोजित 'पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह' में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह में पूर्व सैनिकों की मौजूदगी रही।

**अब भारत लाना कितना मुश्किल?**

# ललित मोदी को मिली ब्रिटिश नागरिकता.....



**नई दिल्ली।** आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने का दावा किया है। उन्होंने 14 नवंबर 2026 को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इसकी घोषणा की। ललित मोदी ने कहा कि उन्हें ब्रिटिश नागरिक होने पर गर्व है। उन्होंने इसे अपने जीवन का नया अध्याय बताया। ललित मोदी ने कहा कि 14 नवंबर को उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का अवसर मिला। इसी दौरान उन्होंने अपने जीवन की एक खास और व्यक्तिगत उपलब्धि सार्वजनिक की। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर 2026 को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता मिलने का जश्न मनाया था। यह समारोह हमेशा उनके दिल के करीब रहेगा। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता को अपने लिए गर्व, कृतज्ञता और ज़िम्मेदारी से जुड़ा एक विशेष अवसर बताया.

**कांग्रेस को 30 साल इंतजार करना होगा**

# शाह का राहुल पर हमला: कहा- भारत को बदनाम करने से सत्ता नहीं मिलेगी

**नई दिल्ली/ एजेंसी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस की भारत समिट 2026 को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और देश की विकास यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर उन्हें सत्ता हासिल करनी है तो विदेश यात्राएं छोड़कर देश के गांवों में जाना शुरू करें। कांग्रेस की भारत समिट में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2014 के बाद देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं। साथ ही उन्होंने विपक्ष की लड़ाई को सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित बताया था। अमित शाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने से राहुल गांधी को सत्ता हासिल नहीं होगी। अगर उन्हें सत्ता में आना है तो विदेश यात्राएं छोड़कर भारत के गांवों में जाना चाहिए। शाह ने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है, जबकि राहुल गांधी देश की विकास यात्रा को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सत्ता चाहिए तो विदेश की यात्राएं बंद करके भारत के गांवों में जाना शुरू करिए, तो शायद आपका नंबर कभी लग जाए। गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी लगातार तीन बार हारने की निराशा अलग-अलग तरीकों से निकाल रही है।



### आईएमडी ने 20 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है। आने वाले दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम की स्थिति अलग-अलग रहने की संभावना है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को उत्तर प्रदेश और बिहार सहित लगभग 20 राज्यों में मौसम खराब रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने दक्षिण भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। बारिश और तेज हवाओं के कारण 10 से ज्यादा राज्यों में तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

**भूपेश बघेल के बेटे पर बड़ा एक्शन**

# ईडी ने जब्त किया चैतन्य का रियल एस्टेट प्रोजेक्ट, 26 करोड़ की प्रॉपर्टी

**रायपुर/ संवाददाता**

छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की संपत्ति पर कार्रवाई की है। ईडी ने चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन्स प्रोजेक्ट की संपत्ति को जब्त कर लिया है। भिलाई में 30 प्लॉट और फ्लैट सीज, कर लिये गए हैं तथा ईडी ने कुर्की का बोर्ड लगा दिया है। ईडी ने शराब घोटाले में यह कार्रवाई की है। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने दुर्ग जिले के जॉगिरी गांव में स्थित 'विट्ठल ग्रीन्स' परियोजना में एक बोर्ड लगाकर और आदेश की प्रति चिपकाकर यह प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों के अनुसार चैतन्य बघेल ने अपने स्वामित्व वाली कंपनी 'बघेल डेवलपर्स' के जरिए इस परियोजना को विकसित किया था। चैतन्य बघेल के खिलाफ कार्रवाई के तहत नवंबर 2025 में इस संपत्ति के साथ अन्य परिसंपत्तियों को भी अस्थायी रूप से कुर्क किया था। इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 61.2 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकरण ने मार्च में इस अस्थायी आदेश की पुष्टि कर दी थी, जिसके बाद ईडी ने 'विट्ठल ग्रीन्स' को अपने कब्जे में ले लिया। इस परियोजना में कई आवासीय भूखंड शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की संपत्ति पर श्वेत द्वारा नोटिस चस्पा किए ।



**राष्ट्रपति-पीएम समेत नेताओं ने देशवासियों को दी बधाई**

# छठ पर्व का उत्साह....अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य...

**नई दिल्ली/ एजेंसी**

छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। छठ महापर्व को लेकर बिहार में इस बार खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पर्व मनाने के लिए देश के अलग-अलग महानगरों और विदेशों में रहने वाले करीब 50 लाख लोग अपने घर लौटे हैं। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 40 लाख लोग ट्रेन से बिहार पहुंचे हैं, जबकि लगभग 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहनों के जरिए अपने घर लौटे हैं। लोक आस्था के इस महापर्व पर बिहार के गांवों से लेकर शहरों तक छठ गीतों और भक्ति का माहौल है। घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। रविवार शाम को व्रती नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। इसके बाद सोमवार सुबह उगते सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। कोलकाता में छठ महापर्व के अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पूजा समारोह में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा के आयोजन में भाग लिया और श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर पर्व की खुशियों में सहभागिता की। छठ महापर्व के अवसर पर घाटों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए जुटे। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे अनुष्ठान संध्या अर्घ्य के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने छठी मैया और अस्ताचलगामी सूर्य से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। दिल्ली में छठ पूजा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार घाट पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने छठी मैया की आराधना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छठ महापर्व के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन व्रती पूरे परिवार के साथ नदी, तालाब या जलाशय के किनारे पहुंचते हैं। वहां पानी में खड़े होकर बांस के सूप और दउरा में रखे ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री से सूर्यदेव की आराधना करते हैं। इसके बाद सूर्यास्त के समय उन्हें जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया जाता है।



### 36 घंटे से निर्जला व्रत कर रही महिलाएं जुटी नदी घाट पर

रायपुर। देशभर में आज छठ का महापर्व मनाया जा रहा है. 36 घंटे से निर्जला व्रत कर रहीं महिलाएं आज अस्ताचल (डूबते हुए) सूर्य देव को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना करेंगी. माहौल को खुशगवार बनाने के लिए मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है. एक तरफराजधानी रायपुर में महादेव घाट में तो दूसरी ओर बलौदा बाजार के पिपरहा तालाब में व्रती महिलाएं परिवार से साथ पहुंची हैं. पिपरहा तालाब में इस बार नगरपालिका द्वारा नये घाट का निर्माण किया गया है. व्रती महिलाओं ने बताया कि छठ महापर्व नहाय खाय से प्रारंभ होता है, और अस्ताचल सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है. वहीं दूसरे दिन उदयमान सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है. यह व्रत परिवार की सुख-समृद्धि खुशहाली एवं परिवार के आरोग्यता के साथ संतान प्राप्ति व सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है. छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के तपकरा पहुंचे हैं।

# 16 नवंबर को कला मंदिर ऑडिटोरियम में मनेगा जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस

## सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि, जनजातीय संस्कृति और परंपराओं पर आधारित होंगे विविध आयोजन

**दुर्ग।** जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और स्वतंत्रता संग्राम में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से 16 नवंबर को दुर्ग जिले में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम, सिविक सेंटर भिलाई में सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने आयोजन को सफल, सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए विभागवार जिम्मेदारियां सौंपीं और सभी अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।



**अधिकारियों को सौंपी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी**–कलेक्टर ने अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अविनाश श्रीवास को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था, प्रोटोकॉल अधिकारी को अतिथियों के आमंत्रण तथा लोक निर्माण विभाग को मंच सज्जा, बैठक व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**जनजातीय हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ**–कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र, पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड एवं किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए जाएंगे। जनपद पंचायतों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा आवास योजनाओं के प्रमाण पत्र सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करने के साथ निबंध लेखन, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा।

**सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिखेगी जनजातीय विरासत की झलक**–आदिवासी विकास विभाग द्वारा जनजातीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण और चित्रकला संबंधी गतिविधियां भी आयोजित होंगी। स्थानीय जनजातीय प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले स्थानीय जनजातीय सेनानियों और उनके वंशजों की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को दी गई है।

**स्वास्थ्य जांच से लेकर भोजन तक की व्यवस्था**–स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ जिले और विकासखंड स्तर पर निःशुल्क स्वास्थ्य एवं सिकलसेल जांच शिविर लगाए जाएंगे। प्रयास विद्यालय, विज्ञान विकास केंद्र और छात्रावासों सहित प्रमुख स्थानों पर भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। खाद्य विभाग को लगभग 600 लोगों के लिए भोजन पैकेट और पेयजल की व्यवस्था करने का दायित्व सौंपा गया है।इसके अलावा उद्यानिकी विभाग पुष्पमाला एवं बुके, परिवहन विभाग वाहनों और ईंधन, आबकारी विभाग स्मृति चिन्ह, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग सफलता की कहानियों एवं बेहतर कार्यों का प्रदर्शन तथा जनसंपर्क विभाग प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी निभाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने और आयोजन की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

# रावघाट खदान में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन, जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति एवं योगदान को किया गया स्मरण




**भिलाईनगर।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट खदान द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में ग्राम खोडगांव, जिला नारायणपुर में जनजातीय गौरव दिवस जनपद अध्यक्ष सुश्री पिंकी उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्री मंगाठ राम कवाड़े एवं ग्राम खोडगांव की सरपंच सुश्री चैते नुरेटी विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग आठ गांवों के सरपंचों तथा 23 गांवों के गायता, पटेल एवं पुजारियों सहित जनजातीय समाज के गणमान्य नागरिकों, ग्रामीणों, स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन में भिलाई इस्पात संयंत्र के उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं रावघाट खदान के प्रतिनिधि डॉ. यशवंत कुमार साहू ने आयोजन की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत और बिरसा मुंडा के आदर्शों का स्मरण करते हुए जनजातीय गौरव दिवस जैसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया।मुख्य अतिथि सुश्री पिंकी उसेंडी ने अपने संबोधन में जनजातीय गौरव दिवस जैसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जनजातीय समाज एवं क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। मुख्य वक्ता श्री मंगाठ राम कवाड़े ने अपने संबोधन में बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी जीवन, उनके सामाजिक योगदान तथा स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने जनजातीय समाज के ऐतिहासिक संघर्ष एवं वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए समाज के लोगों से एकजुट रहने, अपने स्वाभिमान को बनाए रखने तथा अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (रावघाट खदान) श्री उपेंद्र सिंह ने जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी व्यक्तित्व, संघर्ष एवं ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया।

# आबकारी विभाग जाँजगीर चांपा की कार्यवाही



**जांजगीर चांपा** कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी योगेश्वर कुमार द्विवेदी के विशेष मार्गदर्शन में जिला-जांजगीर चांपा में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई -ग्राम कपिस्दा थाना बम्हनीडीह* में आरोपी कृष्णा कुमार चंद्रा कपिस्दा निवासी उम्र 40 वर्ष के कब्जे मकान से 18 लीटर देशी प्लेन शराब एवं 05 लीटर महुआ शराब कुल 23 लीटर शराब *जप्त कर आरोपी कृष्णा कुमार चंद्रा के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, × 34(2) 59 क, के तहत प्रकरण कायम किया गया । उक्त कार्यवाही में आबाकारी वृत्त चांपा प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक मनीष कुमार साहू , जिला उड़नदस्ता प्रभारी गुलशन साहू ,आबकारी मुख्य आरक्षक गीता कमल, किशन श्राफ नगरसैनिक , बबलू कंवर,नरेंद्र कमल एवं अन्य स्टाफका महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

# वैशाली नगर में अब मुफ्त मिलेगा दूल्हा-दुल्हन का शादी का जोड़ा, विधायक रिकेश सेन ने शुरू की नई जनकल्याणकारी योजना

### शादी के खर्च का बोझ होगा कम, दूल्हे को शेरवानी और दुल्हन को निःशुल्क मिलेगा लहंगा

### 22 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए हजारों परिवारों तक पहुंच रही मदद



**भिलाई नगर।** वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाओं की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए विधायक रिकेश सेन ने एक और अभिनव पहल की शुरुआत की है। अब वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के घरों में होने वाली शादियों के लिए दूल्हे को शेरवानी और दुल्हन को लहंगा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को आर्थिक राहत पहुंचाना तथा उन्हें शादी के खर्च की चिंता से मुक्त करना है। विधायक रिकेश सेन ने इस नई योजना का शुभारंभ करते हुए बताया कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासी परिवारों में जब भी किसी बेटे या बेटी का विवाह होगा, उन्हें शादी के मुख्य परिधान के रूप में दूल्हे के लिए शेरवानी और दुल्हन के लिए लहंगा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल से उन परिवारों को विशेष राहत मिलेगी, जिनके लिए शादी के दौरान कपड़ों और अन्य व्यवस्थाओं पर होने वाला खर्च आर्थिक चुनौती बन जाता है।

**जनसेवा के साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता**–विधायक रिकेश सेन द्वारा शुरू की गई यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों के खुशियों भरे पलों को और यादगार बनाना भी है। विवाह समारोह में दूल्हा-दुल्हन के परिधानों की व्यवस्था कर यह योजना परिवारों के आर्थिक बोझ को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

**22 से अधिक योजनाओं के जरिए जनसेवा का विस्तार**– वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक रिकेश सेन अब तक 22 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत कर चुके हैं। इन योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इन योजनाओं में एक रुपये में डायलिसिस, एक्स-रे, सोनोग्राफी, पावर चश्मा, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दुल्हन के लिए ब्राइडल मेकअप, निःशुल्क मेहंदी, सेनेटरी नैपकिन, ब्लड टेस्ट, हेलमेट वितरण, कंबल बैंक और श्रीराम रसोई जैसी पहल शामिल हैं। इसके अलावा शक्ति योजना और युवा भारत योजना के माध्यम से भी महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं युवाओं से जुड़े विषयों पर काम किया जा रहा है।

लगातार शुरू हो रही इन योजनाओं के जरिए विधायक रिकेश सेन क्षेत्र में जनसेवा को नए स्वरूप में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। अब मुफ्त शेरवानी और लहंगा उपलब्ध कराने की नई पहल से विवाह की तैयारी कर रहे परिवारों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

# निगम आयुक्त ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक



**भिलाईनगर।** नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने आज निगम सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों में लंबित कार्यों एवं प्रगतिरत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का निराकरण, आगामी निकाय चुनाव के लिए पोलिंग बूथों में आवश्यक व्यवस्था, शहर की प्रकाश व्यवस्था, ई-ऑफिस प्रणाली में लंबित प्रकरणों तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी गई। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को गंभीरता से लेते हुए उनमें तेजी लाएं और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें।

बैठक में आयुक्त ने छत्तीसगढ़ शासन की सीएम हेल्पलाइन में नागरिकों द्वारा दर्ज कराई जा रही शिकायतों एवं मांगों की समीक्षा करते हुए उनका जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जोन स्तर एवं वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए गए, ताकि प्राप्त शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित विभाग के माध्यम से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आगामी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए आयुक्त ने शहर के सभी पोलिंग बूथों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र में बिजली, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त कर लें, ताकि मतदान के दौरान मतदाताओं एवं मतदान दलों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शहर की प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कार्यों में अपेक्षित तेजी नहीं आने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, बाजारों एवं गली-मोहल्लों में कहीं भी स्ट्रीट लाइट बंद नहीं रहनी चाहिए। बंद एवं खराब लाइटों को तत्काल बदलने तथा आवश्यकता वाले स्थानों पर नई लाइट लगाने की कार्रवाई की जाए। प्रकाश व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नागरिकों को रात्रि के समय आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसी प्रकार ई-ऑफिस प्रणाली की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों को शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

# वोट चोरी के जरिए सत्ता में बनी है मोदी सरकार -ब्यास कश्यप

### वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की जनचौपाल में लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का संकल्प




**जांजगीर चाम्पा।** लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और कथित वोट चोरी के गंभीर मुद्दे को लेकर कांग्रेस द्वारा देशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे 'वोट बचाओ✊देश बचाओ' अभियान के तहत शनिवार, 14 नवंबर को नगर के शारदा चौक में जनचौपाल एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने आम नागरिकों और वार्डवासियों को मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों एवं वोट चोरी के मुद्दे पर जागरूक किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामबिलास राठौर के निर्देश में शारदा चौक में मंडल अध्यक्षगण रफीक सिद्दिकी, ऋषिकेश उपाध्याय के नेतृत्व में जनचौपाल आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने भाजपा एवं केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज देश के लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा की बी-टीम के रूप में काम कर रहे हैं। एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार इन गंभीर मुद्दों को उठा रहे हैं, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार जवाब देने के बजाय सवालों से बच रही है।उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर और वार्ड-वार्ड पहुंचकर मतदाता सूची की जांच के प्रति लोगों को जागरूक करें, पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं तथा लोकतंत्र की रक्षा के इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दें।उन्होंने आगे कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित विशाल महारैली में लाखों लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता वोट चोरी के मुद्दे को लेकर जागरूक हो चुकी है और सरकार से जवाब मांग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार फर्जी वोटों के सहारे सत्ता में बनी हुई है तथा वोट चोरी के माध्यम से जनता के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने की जानकारी सामने आई है, जो बेहद चिंताजनक एवं अनुचित है।

### हजारों की संख्या में उमड़ा जनसैलाब, भाजपा की विशाल पदयात्रा एवं जनसभा में लोकतंत्र की रक्षा का लिया संकल्प

# लोकतंत्र की मर्यादा सर्वोपरि, भीड़तंत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा : खुशवंत साहेब




**जांजगीर-चांपा।** भारतीय जनता पार्टी जिला जांजगीर-चांपा द्वारा शनिवार, 14 नवंबर को अटल चौक जांजगीर में ÷लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ÷ अभियान के तहत विशाल पदयात्रा एवं जनसभा का आयोजन किया गया। पदयात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की हजारों की संख्या में सहभागिता रही। उत्साह और जोश के साथ अटल चौक से निकली पदयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कचहरी चौक पहुंची, जहां विशाल आमसभा आयोजित की गई। सभा में लोकतंत्र की गरिमा, संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान और अराजकता के विरुद्ध एकजुट होकर आवाज उठाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, श्री सौरभ सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, श्री रामदेव कुमावत, श्री राजेंद्र वैष्णव, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अम्बेश जांगड़े, गुलाब सिंह चंदेल,श्री छत राम देवांगन, श्री चुन्नीलाल साहू, श्री अमर सुल्तानिया, श्री संतोष लहरे, श्री शशांक शर्मा, श्री नंद चौधरी, श्रीमती नंदिनी राजवाड़े, श्रीमती रजनी साहू, श्री वैभव बैस एवं श्री कार्तिकेश्वर स्वर्णकार सहित अनेक वरिष्ठ नेता मंचस्थ रहे।जनता सर्वोपरि, जनमत का सम्मान ही लोकतंत्र की असली ताकत ह्न गुरु खुशवंत साहेब-मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गौरव के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने, गरीबों, वंचितों एवं जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और जनता का जनमत सर्वोच्च होता है। किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसकी नीतियों, विचारों और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता में निहित होती है। जनता के विश्वास और जनभागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होता है।

लोकतंत्र में जनता की आवाज का सम्मान होना चाहिए, न कि अराजकता और भीड़तंत्र को बढ़ावा मिलना चाहिए।राजनीतिक मतभेद से ऊपर राष्ट्रहित और संवैधानिक मर्यादा जरूरी - नारायण चंदेल-पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा कि हमें राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मर्यादाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल के दौरान लोकतंत्र के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।एसआईआर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की प्रक्रिया - सौरभ सिंहश्री सौरभ सिंह ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव व्यवस्था के लिए आवश्यक है।मतदाता सूची का शुद्धिकरण संवैधानिक प्रक्रिया - अम्बेश जांगड़े-भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अम्बेश जांगड़े ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करना एक संवैधानिक प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से पलायन कर चुके मतदाताओं, डुप्लीकेट नामों एवं नियमानुसार अपात्र प्रविष्टियों को हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है।उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस चुनाव हारती है, तो वह अपनी हार की जिम्मेदारी लेने के बजाय किसी न किसी संस्था या चुनावी प्रक्रिया को निशाना बनाती है। सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से लेकर ईवीएम और एसआईआर पर संदेह व्यक्त करने तक कांग्रेस लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही है।

सांसद कमलेश जांगड़े ने भी किया

# हिर्री खदान चिकित्सालय में ई-सुश्रुत अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली का क्रियान्वयन, डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में बढ़ाया एक और कदम



**भिलाईनगर।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग के अंतर्गत संचालित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, भिलाई से संबद्ध हिर्री खदान अस्पताल में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण करते हुए ई-सुश्रुत हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) का क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया है। यह पहल सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रणाली का क्रियान्वयन सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उन्नत संगणना विकास केंद्र (सी-डैक) द्वारा किया जा रहा है। इसके तकनीकी सहयोग एवं क्रियान्वयन का समन्वय भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत सी-डैक की परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की टीम द्वारा जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है।यह पहल मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी एवं प्रमुख चिकित्सा सेवाएं डॉ. सौबिता पंडा के मार्गदर्शन में क्रियान्वित की जा रही है। अस्पताल सेवाओं में डिजिटल तकनीक के समावेश के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं मरीजों के लिए सुविधाजनक बनाना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड एचएस) श्री संजय कुमार परियोजना के क्रियान्वयन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एम एंड एचएस) डॉ. गुरमीत सिंह एवं डॉ. अमित अग्रवाल ने सी-डैक के समन्वय एचएमआईएस के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है। ई-सुश्रुत प्रणाली के अंतर्गत चिकित्सालय की प्रमुख सेवाओं का डिजिटल रूपांतरण किया जा रहा है। इसके तहत बाह्य रोगी विभाग के चिकित्सक कक्ष, औषधालय, सेवा क्षेत्र एवं इंजेक्शन कक्ष को इस व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है। इससे चिकित्सालय के कार्यों को व्यवस्थित करने, विभागों के बीच तालमेल बढ़ाने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### दीपक टंडन की बढ़ी मुश्किलें, जमीन के नाम पर शराब कारोबारी से 36 लाख की धोखाधड़ी

**रायपुर।** राजधानी में जमीन की बिक्री के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। होटल कारोबारी दीपक टंडन उर्फ अंबेडकर टंडन और उसकी पत्नी बरखा टंडन पर दूसरे की जमीन को अपना बताकर शराब कारोबारी से 36 लाख रुपये लेने का आरोप लगा है। आशीष जायसवाल की शिकायत पर तेलीबांधा थाना पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता आशीष जायसवाल के मुताबिक, परिचित जगदीश जायसवाल के माध्यम से उसकी मुलाकात दीपक और बरखा टंडन से हुई थी। जगदीश ने उन्हें 1600 वर्गफुट की एक जमीन के बारे में बताया, जहां वर्तमान में एटमॉस्फेरिया संचालित हो रहा है। बताया गया कि जमीन के साथ रेस्टोरेंट भी बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसके बाद आशीष जायसवाल और उसके दोस्त ने सौदे के सिलसिले में दीपक और बरखा के बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की। शुरुआत में एक लाख रुपये टोकन मनी दी गई। इसके बाद अलग-अलग किस्तों में कुल 30 लाख रुपये ऑनलाइन भेजे गए। वहीं, होटल पहुंचकर पांच लाख रुपये नकद भी दिए गए। इस तरह कुल 36 लाख रुपये का भुगतान किया गया। आरोप है कि बाद में जांच करने पर पता चला कि संबंधित जमीन दीपक और बरखा टंडन के नाम पर नहीं है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने रकम वापस मांगी तो उसे जान से मारने और एसटी-एससी एक्ट के मामले में फंसाकर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर तेलीबांधा पुलिस ने दीपक टंडन और बरखा टंडन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

### चर्च में घुसकर हंगामाः महिलाओं से विवाद और युवक से मारपीट का आरोप मसीही समुदाय ने किया चक्का जाम

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार दोपहर चर्च में हंगामे के बाद तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। हिंदू संगठन से जुड़े कुछ लोगों पर चर्च में घुसकर महिलाओं से विवाद करने और एक युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना से नाराज मसीही समुदाय के लोगों ने कोरबा-रजगामार मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मामला रजगामार चैकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर कुछ लोग चर्च के अंदर पहुंच गए और वहां मौजूद महिलाओं से विवाद करने लगे। इस दौरान विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना की खबर फैलते ही मसीही समुदाय के लोगों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। वहीं, हिंदू संगठन से जुड़े लोगों का आरोप है कि चर्च में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उनका कहना है कि इससे पहले भी इस तरह की गतिविधियों का विरोध किया गया था, लेकिन इसके बावजूद मामला सामने आ रहा है। धर्म परिवर्तन के आरोप और चर्च में हुए विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। घटना से नाराज मसीही समुदाय के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कोरबा-रजगामार मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। काफी देर तक जाम रहने के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और शिकायत के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया। एहतियात के तौर पर घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी रजगामार क्षेत्र में धर्म परिवर्तन के आरोप को लेकर विवाद हुआ था। उस दौरान भी पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई की थी। इसके बावजूद एक बार फिर इसी तरह का विवाद सामने आने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है।

### लिंग भेद खत्म करने की दिशा में श्री बालाजी हॉस्पिटल की पहल

**रायपुर।** केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों से बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और लिंग भेद समाप्त करने के उद्देश्य से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया जा रहा है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ के प्रमुख चिकित्सा संस्थान श्री बालाजी हॉस्पिटल, महुआ द्वारा पुत्री रत्न के जन्म पर प्रसूता की नि:शुल्क डिलीवरी कराने तथा आवश्यक दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। अस्पताल की इस पहल को सामाजिक सरोकार से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, इस सद्भावनापूर्ण पहल में हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र नायक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके नेतृत्व में अस्पताल द्वारा चिकित्सा सेवाओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े विभिन्न कार्य भी किए जा रहे हैं। शहर के वरिष्ठ नागरिक हरिश्चंद्र शुक्ला ने कहा कि देश में पुरुष एवं महिला अनुपात को लेकर लगातार चिंता बनी हुई है। विशेषकर कुछ राज्यों में कन्या जन्म को लेकर नकारात्मक सोच आज भी देखने को मिलती है, जिसे बदलने की आवश्यकता है। भोपाल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर.के. जैन ने कहा कि एक ओर हम नवरात्रि में देवी स्वरूप की पूजा करते हैं, वहीं दूसरी ओर कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयां चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में समाज को केवल देवी वंदना तक सीमित न रहकर बेटियों के सम्मान और संरक्षण के लिए व्यवहारिक कदम उठाने चाहिए। राजधानी की चिकित्सक डॉ. संगीता तिवारी ने भी श्री बालाजी हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुत्री जन्म पर नि:शुल्क प्रसव और दवाइयों की सुविधा समाज में सकारात्मक संदेश देने वाली पहल है।

### घर में नल से पहुंचा पानी तो आसान हुई जिंदगी, महिलाओं को अब परिवार के लिए मिल रहा ज्यादा समय

**रायपुर।** घर तक नल से पानी पहुंचने से ग्रामीण महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। पानी जुटाने में लगने वाला समय और मेहनत अब परिवार की दूसरी जरूरतों में काम आ रही है। जल जीवन मिशन के तहत रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम तिलगी में रहने वाली श्रीमती पार्वती चौधरी के जीवन में भी ऐसा ही बदलाव आया है। पहले पार्वती को खाना बनाने, बर्तन धोने, कपड़े साफ करने और घर की साफ-सफाई के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। इस काम में काफी समय और मेहनत खर्च होती थी। गर्मियों में पानी की जरूरत बढ़ने के साथ उनकी परेशानी भी बढ़ जाती थी। कई बार पानी की व्यवस्था के चलते दूसरे जरूरी काम प्रभावित होते थे। जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद उनकी यह परेशानी काफी हद तक कम हुई है।

**बाल संरक्षण में छत्तीसगढ़ की अभिनव पहल, स्कूलों में गठित होंगे 'बाल प्रहरी क्लब'**

# बच्चे अपने सहपाठियों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति बनेंगे सजग प्रहरी

- लगातार अनुपस्थित रहने वाले या संकटग्रस्त बच्चों की पहचान कर उन्हें परामर्श और सहयोग के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखने का प्रयास भी किया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

बाल अधिकारों की रक्षा और विद्यालयों में सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 'बाल प्रहरी क्लब' गठित किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स (छत्तीसगढ़) ने प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूलों तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में इन क्लबों के गठन एवं संचालन के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा की उपस्थिति में एमओयू संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोग के सचिव श्री बृजेंद्र सिंह सहित दोनों संस्थाओं के अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस पहल के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ अपने सहपाठियों की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जिम्मेदार बनाया जाएगा। क्लब बाल विवाह, बाल श्रम, नशे, भिक्षावृत्ति और मानव तस्करी जैसी समस्याओं तथा अधिकारों के उल्लंघन की आशंका के बारे में समय रहते संबंधित संस्थाओं तक सूचना पहुंचाने में मदद करेंगे। लगातार अनुपस्थित रहने वाले या संकटग्रस्त बच्चों की पहचान कर उन्हें परामर्श और सहयोग के जरिए शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखने का प्रयास भी किया जाएगा।



प्रत्येक क्लब दस विषयों पर काम करेगा। इनमें बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन, नशामुक्त परिसर, पॉक्सो अधिनियम के प्रति जागरूकता तथा साइबर सुरक्षा एवं मानव तस्करी की रोकथाम पांच स्थायी विषय होंगे। शेष पांच विषय स्थानीय जरूरतों के अनुसार चुने जाएंगे। इनमें आवासीय विद्यालयों की सुरक्षा, पलायन की निगरानी, स्ट्रीट चिल्ड्रन का पुनर्वास, किशोर स्वास्थ्य और अंधविश्वास उन्मूलन जैसे विषय शामिल हो सकते हैं। क्लबों को ग्राम पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों, जिला बाल संरक्षण इकाइयों बाल कल्याण समितियों चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन सेवा 112 से समन्वित किया जाएगा। क्लब नियमित जागरूकता गतिविधियां और मासिक प्रगति प्रतिवेदन संचालित करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को 'श्रेष्ठ बाल प्रहरी सम्मान' से प्रोत्साहित किया जाएगा। बाल प्रहरी के रूप में चुने गए विद्यार्थियों की भूमिका जागरूकता, सूचना और सहयोग तक सीमित रहेगी। वे किसी संवेदनशील मामले में सीधे हस्तक्षेप या टकराव नहीं करेंगे। बच्चों की सुरक्षा और पहचान की गोपनीयता बनाए रखने के लिए पॉक्सो अधिनियम की धारा 23, किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों का पालन किया जाएगा। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और राज्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा ने इस पहल को बाल संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सक्रिय भागीदारी से विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण और बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता को मजबूत किया जा सकता है। आयोग के संरक्षण तंत्र, स्काउट्स एवं गाइड्स की संगठनात्मक कार्यप्रणाली और विद्यालयों के व्यापक नेटवर्क के समन्वय से यह पहल बाल संरक्षण को स्कूल स्तर तक पहुंचाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के साथ एक-दूसरे की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति सजग करना है।

# छत्तीसगढ़ की गौरवशाली जनजातीय संस्कृति परंपराओं और अस्मिता के सम्मान का महापर्व

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, लोककलाओं, ऐतिहासिक विरासत और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली से है। हमारे प्रदेश की जनजातीय संस्कृति केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और जीवन मूल्यों की आधारशिला है। जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ अपनी विशिष्ट परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखा है। जनजातीय गौरव दिवस इस अमूल्य विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त करने और जनजातीय समाज के योगदान को स्मरण करने का



महत्वपूर्ण अवसर है। प्रतिवर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस हमें स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अद्वितीय योगदान, उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। उनका जीवन स्वाभिमान, साहस, सामाजिक चेतना और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने जनजातीय समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा के लिए संगठित किया। उनका संघर्ष आज भी हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरों के साहस, शौर्य और बलिदान की साक्षी रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने अंग्रेजी शासन के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनहित और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर की धरती से अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय चेतना को नई दिशा दी।

# गौरवशाली विरासत के सम्मान से सशक्त और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प

रायपुर/ संवाददाता

जनजातीय गौरव दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान की गौरवशाली विरासत को नमन करने का पावन अवसर है। यह दिवस हमें उन महान जननायकों की याद दिलाता है, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा, अपनी सांस्कृतिक अस्मिता तथा मातृभूमि के सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इस अवसर पर मैं छत्तीसगढ़ के समस्त प्रदेशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष, त्याग और स्वाभिमान की अद्भुत गाथा है। उन्होंने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते



हुए समाज को एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। छत्तीसगढ़ की पावन धरती भी शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर और गेंदसिंह जैसे महान जननायकों की कर्मभूमि रही है। इन वीर सपूतों का बलिदान हमारी ऐतिहासिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव का अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ की आत्मा उसकी जनजातीय संस्कृति में बसती है। यहां के लोकगीतों में प्रकृति का संगीत है, लोकनृत्यों में जीवन का उल्लास है और परंपराओं में सामूहिकता, सहअस्तित्व तथा सामाजिक समरसता का संदेश है। बस्तर से सरगुजा तक फैली जनजातीय संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर है। इस विरासत को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। हमारा प्रयास है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विशेष रूप से जनजातीय एवं दूरस्थ वनांचलों में निवासरत परिवारों को शासन की सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और विकास के अवसरों का समुचित लाभ मिले।

**जनगणना 2027 और धान खरीदी के मुद्दे पर भी बोला हमला**

# आज चुनाव हुए तो एक इनोवा में सिमट जाएगी भाजपा-पूर्व सीमए भूपेश बघेल

रायपुर। संवाददाता

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रेसवार्ता में राज्य सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 15 नवंबर को छठ पर्व है, लेकिन नितिन नवीन बिहार नहीं जा रहे। बिहार उपचुनाव में हार क्या मिली छत्तीसगढ़ आना पड़ गया। वहीं भूपेश बघेल ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा, आज चुनाव हुए तो भाजपा एक इनोवा में ही आएगी। राज्य में भाजपा सरकार की स्थिति खराब है। भाजपा को सिर्फ ज्ञानेश कुमार ही जीता सकते हैं। ज्ञानेश रहेंगे तो 90 में 91 सीट भाजपा जीत जाएगी। धान खरीदी के मुद्दे पर भी बघेल ने सरकार को



घेरा। उन्होंने कहा, प्रति एकड़ आदान सहायता देना कांग्रेस की योजना को आगे बढ़ाना है। भाजपा ने आखिरकार कांग्रेस की नीति पर पलटी मारी। धान खरीदी 1 नवंबर से शुरू हो जानी चाहिए थी। आदान सहायता के नाम पर सरकार झुनझुना पकड़ा रही है। धान खरीदी को लेकर सरकार की लचर व्यवस्था दिख रही। सरकार किसानों से पूरा धान नहीं खरीदना चाहती। उन्होंने सरकार से सवाल किया है कि क्या बारदाने, जगह की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है ? सरकार के पास किसानों को देने के लिए क्या पर्याप्त राशि है ? राइस मिलर्स ने क्या बीते वर्ष का पूरा चावल जमा कर दिए हैं ? अगर नहीं हुआ तो उठाव के लिए डीओ कैसे कटेगा ? सरकार की ओर से धान खरीदी को लेकर कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं दिख रही है ? बघेल ने कहा, सरकार को धान खरीदी पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। जनगणना-2027 पर भूपेश बघेल ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना मामले में झूठ बोल रहे हैं।

### प्रशासन की सख्ती से सांकरा के नंदी चौक में नहीं जमा जुए का फड़

**रायपुर।** दीपावली पर ग्राम सांकरा के नंदी चौक में इस बार जुए का फड़ नहीं जमा। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता व सख्ती से गांव में शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाया गया। नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ नहीं खेले जाने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की। इस व्यवस्था से खुश होकर नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति आभार जताया है। दरअसल दीपावली से पहले नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ खिलाने पर रोक लगाने की मांग की थी। समिति ने ज्ञापन में बताया था कि 10 हजार से अधिक आबादी वाला सांकरा आसपास के गांवों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है।

# रायपुर की प्रांजलि ने जीता लिया अनिल कपूर का दिल

- बस्तर कला से सजा परिधान देख चौंके, सोनम संग काम करने का रखा प्रस्ताव

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला की झलक जब राष्ट्रीय टेलीविजन के मंच पर दिखी, तो अनिल कपूर भी तारीफकिए बिना नहीं रह सके। स्टार प्लस के शो 'इंडिया के टॉप 1ब्र- द अनिल कपूर शो' में रायपुर की प्रतिभागी प्रांजलि अपने बस्तर कला से प्रेरित परिधान के जरिए मेजबान का ध्यान खींचती नजर आईं। उनकी रचनात्मकता से प्रभावित होकर अनिल कपूर ने बेटी सोनम कपूर को फोन किया और प्रांजलि के साथ काम करने की संभावना पर बात की। शो के 'ग्रेट इंडियन बुद्धि लीग' विशेष एपिसोड में प्रांजलि ने बताया कि उनके परिधान की प्रेरणा करीब 4,000 साल पुरानी बस्तर कला से जुड़ी है। पारंपरिक कला को आधुनिक फैशन में जगह देने की उनकी कोशिश ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कलात्मक विरासत को एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया। प्रांजलि के हुनर की सराहना करते हुए, अनिल कपूर ने सोनम से कहा कि, सोनम, आप फ्यूचर में कभी भी प्रांजलि जी के साथ कोलैबरेट करना चाहेंगी, तो खुशी की बात होगी। उन्होंने आगे कहा कि, यह ब्यूटीफुल है और जो इनका आर्ट है, वह कमाल का है। रायपुर और छत्तीसगढ़ के दर्शकों के लिए यह पल खास रहा।

**जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय**

# आदिवासी महिलाओं की अस्मिता,स्वाभिमान और सशक्तिकरण का नया अध्याय

रायपुर/ संवाददाता

भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और विरासत के संरक्षण में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है। अन्याय और शोषण के विरुद्ध 'उलगुलान' का शंखनाद करने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाया जा रहा जनजातीय गौरव दिवस हमें अपने महान नायकों के साहस, स्वाभिमान और बलिदान का स्मरण कराता है। शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधूर, शहीद गेंद सिंह, रानी दुर्गावती और ठाकुर रामप्रसाद पोटाई जैसे जननायकों का संघर्ष हमारी साझा विरासत है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरव और योगदान को राष्ट्रीय पहचान मिली है। वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किए जाने के बाद से जनजातीय अंचलों के विकास को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के संवेदनशील नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का संकल्प दूरस्थ वनांचलों तक पहुंच रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। जनजातीय समाज की मजबूती में माताओं और बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से हम उनके सम्मान, सुरक्षा, पोषण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 20 लाख 28 हजार 803 आदिवासी महिलाएं सीधे लाभान्वित हो रही हैं। यह आर्थिक सहायता उन्हें परिवार के पोषण, बच्चों की शिक्षा और रोजमर्रा की जरूरतों में अपने स्तर पर निर्णय लेने का संबल देती है। जनजातीय महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और आत्मविश्वास को मजबूत करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गरीब और वंचित परिवारों की बेटियों के विवाह का आर्थिक भार कम करने के लिए



मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक 2 हजार 72 विवाह संपन्न कराए गए हैं। इनमें लगभग 580 हितग्राही अनुसूचित जनजाति वर्ग की बेटियां हैं। यह पहल परिवारों को सहयोग देने के साथ बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। माताओं और बच्चों के पोषण तथा प्रारंभिक देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीएम-जनमन अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों में 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और सभी केंद्र संचालित हो रहे हैं। इनके माध्यम से वनांचलों में बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा तथा गर्भवती माताओं को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल 'प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान' (पीएम-जनमन) से छत्तीसगढ़ की पांच विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों-बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया और बिरहोर के गांवों और बसाहटों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 1 हजार 545 ग्रामों और 2 हजार 365 बसाहटों का संतृप्तिमूलक विकास किया जा रहा है। अब तक 24 हजार 218 पक्के आवास पूरे हो चुके हैं और 1 हजार 833 किलोमीटर सड़कें बनाई जा चुकी हैं। 7 हजार 349 परिवारों का ऑन-ग्रिड विद्युतीकरण किया गया है। इसके साथ ही 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट और 16 वनधन विकास केंद्र संचालित हैं। इन प्रयासों से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय आजीविका के अवसरों को मजबूती मिल रही है। इसी दिशा में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के 32 जिलों के 6,691 जनजातीय बहुल गांवों को शामिल किया गया है। अभियान के अंतर्गत 733.258 करोड़ रूपये की लागत से 1,413 विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है।

# संपादकीय

## बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति, बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत या सामाजिक माहौल का असर?

घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी? पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।हरियाणा में पंचकूला के एक स्कूल में महज तीसरी कक्षा के छात्र का जैसा बर्ताव सामने आया है, वह भविष्य के समाज के प्रति चिंतित और संवेदनशील किसी भी इंसान को परेशान करने के लिए काफी है। जिस उम्र में बच्चे साथ मिल कर खेलते हैं, आपस में झगड़ते हैं और थोड़ी देर बाद फिर पहले की तरह हंसते-खिलखिलाते हैं, उसमें एक बच्चा अगर किसी छोटी बच्ची पर बेरहमी के साथ जानलेवा हमला करता है, तो इसकी जड़ें कहां से निकल रही हैं?

यह त्रासद घटना हाल ही में सामने आई, जब एक वीडियो में खाली कक्षा में आठ साल के एक छात्र ने छह वर्ष की बच्ची को बेलगाम तरीके से पीटा और बेहोश होने के बाद भी किसी वस्तु से जानलेवा हमला करता रहा।शर्मनाक यह है कि कई मिनट तक हुई यह घटना कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो रही थी, लेकिन इतनी देर तक न तो कक्षा में कोई आया और न ही नियंत्रण कक्ष में स्क्रीन पर कोई देखने वाला था। अनदेखी से लेकर लापरवाही की पूरी शृंखला बताती है कि यह घटना जहां स्कूल में एक व्यापक कुप्रबंधन की है, वहीं सामाजिक उदासीनता आज एक ऐसी स्थिति निर्मित कर रही है, जिसमें छोटे बच्चे एक बड़े खतरे से दो-चार हैं।घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी?

पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।स्मार्टफोन की लत ने लोगों के व्यक्तित्व को किस कदर विकृत करना शुरू कर दिया है, यह किसी से छिपा नहीं है। बच्चे इसका सबसे नाजुक शिकार बन रहे हैं। इस तरह के आभासी खतरे से अनजान माता-पिता प्यार के नाम पर बच्चों के इसके लत का शिकार होने की अनदेखी करते हैं।नतीजतन, उसके सोचने-समझने से लेकर खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका बेलगाम बिखराव से संचालित होने लगता है। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। सवाल है कि इस क्रम में जैसा समाज बन रहा है, बच्चों पर जैसा असर हो रहा है, उसमें भविष्य की कैसी दुनिया बन रही है!

# महाराष्ट्र में सूखे का कहर, बूंद-बूंद को तरस रही 55 फीसदी खेती वाली जमीन

(अंकिता देशकर)

**सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।**



बीते तीन सालों में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ इलाकों में बारिश का औसत सामान्य से काफी कम रहा है। मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले की 80 फीसदी आबादी अब पानी के टैंकरों पर निर्भर है।

महाराष्ट्र देश के अमीर राज्यों में से एक है। लेकिन, यहां पर भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विषमताएं इस कदर हावी हैं कि 'अमीर राज्य' का खिताब कागजों पर ही अच्छा लगता है। राज्य के अधिकांश इलाके ऐसे हैं जहां पर सूखा और किसानों की बदहाली बाकी राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा है। मराठवाड़ा और विदर्भ के क्षेत्र लगातार सूखे और किसान आत्महत्याओं को लेकर चर्चा में रहे हैं। इंडियास्पेंड की एक रिपोर्ट के मुताबिक मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले में सूखा पहले के मुकाबले काफी जल्दी अपना प्रकोप दिखाने लगा है। गांवों के तमाम तालाब और कुंए सूख चुके हैं। आदमी, मवेशी और किसानों के खेत बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बीड़ जिले के कई गांवों में टैंकरों के जरिए पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां लोगों को रोजाना घंटो लाइन में लेकर पानी लेना पड़ता है।

तीन साल पहले महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कई गांवों में पंचायतों के साथ मिलकर कुंओं का निर्माण कराया था। लेकिन, वे सभी कुंए सूख चुके हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह कई सालों से सामान्य से काफी कम बारिश का होना है। बीड़ के सभी 11 तालुका सूखे की भयंकर चपेट में हैं। बीते तीन सालों में बारिश का अनुपात सामान्य से काफी कम रहा है। इसकी वजह से जमीन का पानी भी काफी नीचे चला गया है। सबसे बड़ी बात की इस जिले की करीब 80 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। मगर, व्यापक स्तर पर अभी तक कोई ऐसी ठोस योजना नहीं बन पाई है जिससे 80 फीसदी लोगों को सीधे पाइपलाइन के जरिए पानी मुहैया कराया जा सके।

अगर पूरे मराठवाड़ा क्षेत्र की बात करें तो यहां के 77 फीसदी किसानों की जमीन 5 एकड़ से ज्यादा नहीं है। इंडियास्पेंड की जुलाई 2017 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय आय की तुलना में 12,547 रुपये कम हैं। लगातार सूखे की वजह से किसानों के आत्महत्याओं की खबरें भी सुर्खियों में रही हैं। 2018 में यहां पर 125 किसानों ने खुदकुशी कर ली। पानी की कमी की वजह से बड़े किसानों ने रबी की फसल की बुवाई छोड़ दी। इलाके के लोग चीनी मीलों में काम करने के लिए बाध्य हैं। वैसे महाराष्ट्र का करीब 50 फीसदी हिस्सा पानी की कमी से जूझ रहा है। वहीं, इंडिया स्पेंड की एक दूसरी रिपोर्ट के मुताबिक पूरे भारत की 40 फीसदी जमीन पर सूखे का प्रभाव है। ऐसे में इसकी डायरेक्ट मार गांव-देहात और किसानों पर ही पड़ रही है।

**मौसंबी, संतरा और अनार की फसलें बर्बाद, किसानों को लाखों का नुकसान :** राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। महाराष्ट्र में सूखे की बिगड़ती स्थिति का असर अब फल उत्पादक इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। जालना जिले की अंबड तहसील में मौसंबी के पेड़ों पर लगे फल सिकुड़कर मुश्किल से नींबू के आकार के रह गए हैं। कुछ पेड़ धूप की मार से भूरे पड़ चुके हैं, जबकि पके फल जमीन पर बिखरे पड़े हैं।विदर्भ के अमरावती जिले के लिंगा गांव में तो संतरा उत्पादक किसान पेड़ों को बचाने की उम्मीद में समय से पहले ही कच्चे फल तोड़ने लगे हैं।राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। मराठवाड़ा और विदर्भ में बारिश की कमी के कारण फलों के आकार छोटे हो गए हैं, फसलें बर्बाद हो गई हैं तथा पेड़ सूखने लगे हैं।

**संतरे के पौधों को नुकसान :** अमरावती जिले के लिंगा गांव में संतरा उत्पादक किसान शिवहरी हडके अपने करीब दो एकड़ के बगीचे में लगे 18 साल पुराने पेड़ों से कच्चे संतरे तोड़ रहे हैं। इन फलों का आकार आंवले जितना ही है। फल देने वाले पेड़ों को नियमित रूप से पानी की जरूरत होती है। ऐसे में शिवहरी हडके को उम्मीद है कि कच्चे फल तोड़ने से पेड़ों की पानी की जरूरत कम होगी और बाकी पेड़ों को बचाया जा सकेगा। शिवहरी हडके के बगीचे में करीब 250 पेड़ हैं, जिनमें से 10 पहले ही सूख चुके हैं। उनके छोटे भाई के बगीचे के 70 पेड़ भी सूख गए हैं। हडके के कुछ पेड़ पिछले साल भी मुरझा गए थे। परिवार को जानवरों के कारण हुए नुकसान से भी जूझना पड़ रहा है। जानवरों ने पेड़ों की छाल खरोंच दी है, जिससे वे और कमजोर हो गए हैं।

**मौसंबी के फलों को नुकसान :** मराठवाड़ा में लगातार पड़ रहे सूखे और कीटों के हमलों ने जालना जिले के कुछ हिस्सों में मौसंबी का उत्पादन लगातार घटा दिया है। जालना के रोहिलागढ़, अंबड और घनसावंगी के साथ-साथ बीड के गेवराई और छत्रपति संभाजीनगर के पैठण इलाके कभी मौसंबी के बगीचों के लिए मशहूर थे। लेकिन बार-बार फसल बर्बाद होने के कारण कई किसानों ने फल उगाना ही छोड़ दिया है।

**आनार की खेती से हुआ नुकसान:** इस साल अनार की फसल बर्बाद होने से उन्हें करीब 2.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ढाई एकड़ खेत में अनार के 500-600 पेड़ लगाए थे। इस पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च किए थे। लेकिन बारिश नहीं हुई और पूरी फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था करना भी संभव नहीं था। 400 से ज्यादा पेड़ पूरी तरह सूख गए। बाकी पेड़ों पर छोटे फल तो लगे, लेकिन वे बेचने लायक नहीं थे। अब हम उन पेड़ों को काट देंगे। मुझे नहीं पता कि बीमा और मुआवजे के रूप में कितनी रकम मिलेगी, लेकिन इस नुकसान को स्वीकार करना बहुत मुश्किल है।

अब स्थानीय बाजारों में मौसंबी सीमित मात्रा में उपलब्ध है और इसकी कीमत 35 रुपये प्रति किलो है। इस साल महाराष्ट्र को मौसंबी की मांग पूरी करने के लिए आंध्र प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ सकता है।नागपुर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय खट्टे फल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीसीआरआई) के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि खराब मौसम के कारण खट्टे फलों की खेती में भारी नुकसान हो सकता है।संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक ए. थिरुगनानवेल ने बताया कि इस साल विदर्भ जैसे प्रमुख संतरा उत्पादक इलाकों में बारिश सामान्य से करीब 30-40 फीसदी कम हुई है। बारिश वाले दिनों की संख्या कम रहने और बारिश का असमान वितरण होने से किसानों को अपने बगीचों की सिंचाई करने में मुश्किल हो रही है।

**बारिश की मात्रा और वितरण दोनों जरूरी :** ए. थिरुगनावेल ने कहा, बारिश की कुल मात्रा के साथ-साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि बारिश कितने समय तक होती है। इस साल बारिश की मात्रा और अवधि, दोनों ही जरूरत के मुताबिक नहीं रहीं। इसके कारण किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पाए। अधिक तापमान, पानी की कम उपलब्धता और वाष्पीकरण बढ़ने से सूखे जैसी स्थिति पैदा हुई।

पानी की कमी का असर अब फलों के आकार और पेड़ों के जीवित रहने पर भी दिखाई दे रहा है। ए. थिरुगनानवेल ने कहा, जब पानी की कमी होती है तो पौधा उपलब्ध नमी का इस्तेमाल फल को पोषण देने के बजाय खुद को जीवित रखने के लिए करता है। इसका नतीजा यह होता है कि फल का आकार छोटा रह जाता है। इसके अलावा पेड़ों के सूखने की घटनाएं भी सामने आई हैं। सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। फसल के गलत चरण में हुई बारिश किसानों के किसी काम नहीं आती। कृषि सूखा और जलवैज्ञानिक सूखा भी अलग-अलग होते हैं।फलों का रंग ठीक से विकसित नहीं होने पर बाजार में उनकी कीमत और गिर सकती है। वहीं, लंबे समय तक नमी की कमी से पेड़ कमजोर हो जाते हैं और उन पर कीटों तथा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जो पेड़ स्थायी रूप से मुरझाने की स्थिति से आगे बढ़कर पूरी तरह सूख चुके हैं, उनके दोबारा हरा होने की संभावना नहीं रहती।

## आदतें ही बनाती हैं भविष्य, छोटी-छोटी कोशिशों से बदल सकती है...

(सुरेश कुमार सारण)

जो मनुष्य जब चाहे अपनी आदतों को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है, नई आदतें बना सकता है और पुरानी छोड़ सकता है, वह अपने जीवन में मनचाहा परिणाम भी हासिल कर सकता है। मनुष्य के भीतर सबसे ठोस और स्थायी चीज आदतें ही हैं। आदतें मुश्किल से बनती हैं और लंबे वक्त तक पीछा नहीं छोड़तीं। बार-बार दोहराने की वजह से आदतें स्वचालित बन जाती हैं। मनुष्य का व्यवहार उसकी आदतों से ही जुड़ा होता है। मनुष्य का चरित्र, व्यक्तित्व और उसकी सफलता उसकी आदतों से अनिवार्य रूप से संबद्ध होती हैं। मनुष्य अलग-अलग आदतों के जुड़ने से बना प्राणी है।

हर व्यक्ति हर चीज को अलग तरह से ग्रहण करता है और अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। यह विशिष्टता उसकी मनोवृत्ति और किसी चीज से उसके व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव के अनुपात से बनती है। मनोविज्ञान के अनुसार मनुष्य के दैनिक कार्यों का लगभग चालीस फीसद हिस्सा सोच-समझकर लिए गए फैसलों का नहीं, बल्कि उसकी आदतों का परिणाम होता है। हम उन्हीं चीजों को बिना सोचे-समझे दोहराते हैं, जिन पर अभ्यास के द्वारा फैसला ले चुके हों। मनुष्य के निर्णय उसकी अपनी आदतों से बनते हैं। आदतें एक तरह से निर्णय ही हैं। मनुष्य द्वारा लिए गए निर्णयों के योग से उसका भविष्य बनता है।

मनुष्य की नियति और उसकी आदतों में सीधा संबंध होता है। नियति उसके निर्णयों से मिलकर बनती है। वह निर्णयों से अलग अपने आप में कोई स्थिति नहीं है, इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है। मनुष्य अपनी नियति को अपने व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया में सृजित करता है। वह दैनिक जीवन की आदतों के संचय से इसे अर्जित करता है।



## छठ महापर्व को लेकर चिरमिरी में तैयारियां तेज, सजने-संवरने लगे छठ घाट

**चिरमिरी ।** मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित छठ घाटों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और विद्युत सजावट का कार्य तेजी से किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों को आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप देने की तैयारियां चल रही हैं। छठ महापर्व केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या, प्रकृति और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती पूरी श्रद्धा और कठिन नियमों के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करते हैं। पर्व की सबसे विशेष परंपरा अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना है, जो प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश देती है। एमसीबी जिले के चिरमिरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। घाटों पर तैयारियां अंतिम रूप लेने लगी हैं। आने वाले दिनों में छठ घाटों पर पूजा-अर्चना, पारंपरिक गीतों और भक्तिमय माहौल के बीच आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा।



## माँ काली दर्शन पहुँचे जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्ष-महामंत्री, सेमरताल में गूंजे जस गीत ; 17 नवंबर को होगा भव्य भंडारा

**बिलासपुर।** ग्राम पंचायत सेमरताल में विगत दीपावली के दिन से माँ काली उत्सव समिति के तत्वावधान में माँ काली का पर्व लगातार 19वें वर्ष अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में ग्रामवासियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण और श्रद्धालु रात्रि में जस गीत और मनमोहक झाँकियाँ देखने पहुँच रहे हैं, जिससे पूरा क्षेत्र पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों ने टेका मत्था- इसी कड़ी में आज माँ काली के दर्शन एवं आशीर्वाद हेतु जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी का आगमन हुआ, जिनके साथ कृपाल और प्रमोद सूर्यवंशी भी उपस्थित रहे। इसके अलावा रात्रि 10 बजे सरपंच संघ अध्यक्ष धनंजय सिंह ठाकुर के साथ अनिल यादव की विशेष उपस्थिति दर्ज की गई। इस दौरान ग्राम से लोकनाथ यादव, सतीश धीवर, उत्तम साहू, फिरनता साहू, संतोष साहू और केशव राव आदि ने पहुँचे हुए अतिथियों और जनप्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया। 17 नवंबर को होगा विशाल भंडारा- समिति के गौरवशाली 19वें वर्ष के पावन अवसर पर एक विशाल धार्मिक अनुष्ठान एवं भव्य भंडारे का आयोजन आगामी 17 नवंबर 2026 को संपन्न होगा। कार्यक्रम का मुख्य विवरण एवं पदाधिकारी- इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के निम्नलिखित सम्मानित पदाधिकारी और सहयोगकर्ता अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।



## किरंदुल ट्रक यूनियन के ड्राइवरों की हड़ताल से खनन अर्थव्यवस्था ठप, करोड़ों के नुकसान की आशंका

**किरंदुल।** किरंदुल में ट्रक यूनियन के ड्राइवरों की हड़ताल के चलते क्षेत्र की खनन अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ रहा है। ट्रकों का परिचालन प्रभावित होने से खनन से जुड़े परिवहन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां ठप पड़ गई हैं। ड्राइवरों का कहना है कि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। यदि हड़ताल लंबी खिंचती है, तो क्षेत्र को करोड़ों रुपये का नुकसान झेलना पड़ सकता है। इस हड़ताल से खनन कार्यों, परिवहन कारोबार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। अब सभी की नजरें ट्रक यूनियन और संबंधित प्रबंधन के बीच होने वाली बातचीत पर टिकी हैं। ड्राइवरों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो किरंदुल की आर्थिक गतिविधियों पर संकट और गहरा सकता है।



## भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर वीर शहीद नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

**बेमेतरी।** भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज बेमेतरा में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के नेतृत्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों के साथ पीजी कॉलेज के बाहर स्थापित छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने देश की आजादी और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले महापुरुषों के योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना पूरे देश के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। भगवान बिरसा मुंडा ने अपने साहस, संघर्ष और अदम्य संकल्प से अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की।

# जिले में धान खरीदी महा अभियान का शुभारंभ, 123 उपार्जन केन्द्रों में होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

### पहले दिन 92 उपार्जन केन्द्रों में होगी 1938 क्विंटल धान की खरीदी

### पूजा अर्चना के साथ सेवा सहकारी समिति अण्डा में हुई शुभारंभ



**दुर्ग ।** राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश सहित जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। आज सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, डीएमओ राहुल कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित थे। मुख्य अतिथि चन्द्राकर, कमिश्नर राठौर और कलेक्टर सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापी यंत्र और भगवान बलराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान धान बेचने आये किसानों का पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। धान खरीदी का शुभारंभ ग्राम अण्डा के कृषक राजेश चन्द्राकर द्वारा लाये गये धान की खरीदी से हुई। मौके पर बोरे सहित तौल किया गया। इसी के साथ जिले के सभी 123 उपार्जन केन्द्रों में आज से धान खरीदी की शुरूआत हो गई है। पहले दिन उपार्जन केन्द्रों में खरीदी हेतु 92 केन्द्रों में 1938 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी। धान खरीदी का कार्य 15 नवम्बर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर नियमित होगी। उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हेतु किसानों के लिए समुचित प्रबंध किये गये हैं। शासन द्वारा धान कामन के लिए 2441 रूपए प्रति क्विंटल और धान ग्रेड-ए के लिए 2461 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित की गई है। अण्डा समिति में प्रथम दिवस 25 किसानों से 1230 क्विंटल धान की खरीदी होगी। समिति अंतर्गत 1980 किसान पंजीकृत है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि धान छत्तीसगढ़ की पहचान है और यहां के किसानों की अर्थव्यवस्था का आधार है। प्रदेश की संवेदनशील सरकार ने धान खरीदी के कड़ी में महत्वपूर्ण निर्णय जोड़ते हुए प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने वालों को भी आदान सहायता 13839 रूपए प्रदान करने जा रही है। साथ ही सुनियोजित सुव्यवस्थित ढंग से धान की खरीदी प्रारंभ की है। विधायक चन्द्राकर ने अभियान की सफलता के लिए क्षेत्र के किसानों को निर्धारित समयावधि में धान बेचने की अपील की। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने धान खरीदी महाभियान के शुभारंभ पर किसानों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष धान खरीदी व्यवस्था में सुधार की जा रही है। जिसका लाभ किसान भाईयों को मिलने लगा है। उन्होंने व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी होने पर अवगत कराने पर त्वरित समाधान हेतु किसानों को भरोसा दिलाया। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अवगत कराया कि विगत वर्ष 102 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी हुई थी, किसान भाईयों के मांग पर इस वर्ष 21 केन्द्र बढ़ाये गये हैं। इस वर्ष 123 केन्द्रों में धान खरीदी होगी। सभी केन्द्रों में खरीदी हेतु समुचित प्रबंध किये गये हैं। नवीन उपार्जन केन्द्रों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भूमि आबंटन कर दी गई है। वीबीजी-रामजी योजना अंतर्गत यहां पर किसान कुटीर एवं अन्य निर्माण कार्य कराये जाएंगे। उन?होंने अवगत कराया कि इस बार जिले में करीब छह लाख मिट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। सीसीबी के सीईओ सुनील वर्मा ने जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया एवं वर्तमान में किसानों की समस्याओं के समाधान पर प्रशासन स्तर पर की गई पहल से उपस्थित किसानों को अवगत कराया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित थे।

## बरतुंगा हिल ओपन कास्ट माइंस के विरोध में उतरी श्री बजरंग सेना, 200 से अधिक हस्ताक्षरों के साथ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



### हजारों वर्ष पुराने पहाड़, लाखों पेड़-पौधे और प्राकृतिक पर्यावरण को नुकसान

**एमसीबी ।** चिरमिरी की प्राकृतिक धरोहर बरतुंगा हिल पर प्रस्तावित ओपन कास्ट माइंस को लेकर विरोध तेज होने लगा है। अब इस विरोध में श्री बजरंग सेना भी सामने आ गई है। संगठन ने बरतुंगा हिल पर ओपन कास्ट माइंस खोले जाने का विरोध करते हुए 200 से अधिक लोगों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन एमसीबी कलेक्टर को सौंपा है। संगठन की ओर से महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष भारती सिंह ने ज्ञापन सौंपकर प्रशासन से ओपन कास्ट खदान की अनुमति पर पुनर्विचार करने की मांग की है। श्री बजरंग सेना का कहना है कि बरतुंगा हिल क्षेत्र में पहले अंडरग्राउंड माइंस के माध्यम से कोयले का उत्खनन किया जाता था, लेकिन अब ओपन कास्ट माइंस शुरू किए जाने की तैयारी से क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत पर खतरा मंडरा रहा है। संगठन ने आशंका जताई है कि ओपन कास्ट खनन से हजारों वर्ष पुराने पहाड़, लाखों पेड़-पौधे और प्राकृतिक पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। इसके साथ ही बरतुंगा हिल से लगे आसपास के दर्जनभर ग्रामीण क्षेत्रों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि बरतुंगा हिल आदिवासी बहुल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जहां जंगल और पहाड़ स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। संगठन ने आरोप लगाया कि निजी कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों और सुविधाओं के माध्यम से लोगों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित कंपनी का पक्ष सामने आना बाकी है। श्री बजरंग सेना ने स्पष्ट किया है कि संगठन कोयला उत्खनन का विरोध नहीं कर रहा, बल्कि ओपन कास्ट माइंस के स्थान पर अंडरग्राउंड माइंस के माध्यम से खनन किए जाने की मांग कर रहा है। संगठन का कहना है कि आधुनिक तकनीक के जरिए भूमिगत खनन को प्राथमिकता दी जाए, ताकि कोयला उत्पादन के साथ पहाड़, पेड़-पौधों और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष भारती सिंह ने प्रशासन से बरतुंगा हिल में ओपन कास्ट माइंस की योजना पर रोक लगाने और अंडरग्राउंड खनन की व्यवस्था अपनाने का आग्रह किया है।

## दशरमा धान खरीदी केंद्र में पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी का शुभारंभ



**बलौदा बाजार।** छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 'कृषक उन्नति योजना' के तहत आज 15 नवंबर से पूरे प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। इसी कड़ी में आज दशरमा धान खरीदी केंद्र (सोसायटी) में जनप्रतिनिधियों, किसानों और समिति प्रबंधक की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के पहले दिन किसानों से 190 कट्टा धान की खरीदी की गई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डेरहा साहू, जनपद सदस्य जगमोहन घृतलहरे, दशरमा सरपंच प्रतिनिधि नीलकंठ साहू, पुरेना खपरी सरपंच प्रतिनिधि रोशन साहू, उपसरपंच मोहन पैकरा, पुरेना खपरी उपसरपंच प्रतिनिधि अखिलेश साहू और समिति प्रबंधक ईश्वर साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही पूर्व सोसायटी अध्यक्ष हरक साहू, उमेद साहू, भगवती साहू, नेतराम साहू सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित थे।

## एक दिसंबर से अतिक्रमण हटाओ अभियान के साथ अवैध प्लॉटिंग पर भी हो कार्रवाई : अनुरुध वर्मा



**बेमेतरा।** शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने तथा यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बेमेतरा द्वारा एक दिसंबर से व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करने की घोषणा की गई है। युवा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश महासचिव अनुरुध वर्मा ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान के साथ-साथ बेमेतरा नगर पालिका क्षेत्र में हो रही अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही नगर पालिका क्षेत्र में बिना नियमानुसार अनुमति के की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर भी प्रशासन को गंभीरता दिखानी चाहिए। वार्ड क्रमांक 16 स्थित शनि मंदिर के पास, कोबिया, सिंघोरी, पिकरी और मोहभट्ठा सहित अन्य क्षेत्रों में हो रही प्लॉटिंग की जांच कराई जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। नगर पालिका प्रशासन ने अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण, दुकानों के सामने सार्वजनिक स्थानों पर कब्जे तथा आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले अवैध निर्माणों को हटाने की तैयारी की है। इसके अलावा भवन निर्माण के नियमों का उल्लंघन करने वालों, बिना भवन अनुज्ञा निर्माण कराने वालों तथा आवासीय अनुमति लेकर व्यावसायिक निर्माण करने वालों के मामलों की भी जांच की जाएगी। अनुरुध वर्मा ने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान में छोटे दुकानदारों और ठेला व्यापारियों के साथ-साथ बड़े कब्जाधारियों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए।

## भवन निर्माण सामानों की बिक्री करने वाले व्यापारियों का दीपावली मिलन समारोह

**शक्ति।** अंचल में भवन निर्माण सामानों की बिक्री करने वाले व्यापारियों ने दीपावली मिलन समारोह का आयोजन 14 नवंबर शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया , इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने दीपावली पर्व की एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी, दीपावली मिलन के अवसर पर स्वादिष्ट भोजन के साथ आतिशबाजी भी की गई , इसके साथ ही एक नया संगठन बनाने के लिए सभी व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई।छड़, सीमेंट एवं भवन निर्माण सामाग्री व्यापारी संघ शक्ति द्वाराआयोजित दीपावली मिलन समारोह के कार्यक्रम में प्रमुख रुप से अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल (शंकर सेल्स)। उपाध्यक्ष अरुण रतेरिया (रतेरिया ट्रेडर्स)। कोषाध्यक्ष - मयंक अग्रवाल (बालाजी ट्रेडर्स) को बनाया गया साथ ही संघ की कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र गवेल (तनिष्क ट्रेडर्स)। योगेश अग्रवाल (श्री राम ट्रेडर्स)।

## बेमेतरा में मधुमेह के खिलाफ जंग का बिगुल, प्रचार रथ रवाना , शीघ्र जांच ही बचाएगी जान

- बच्चों के टाइप-1 डायबिटीज पर बेमेतरा में विशेष फोकस, हर बुधवार को लगेगी विशेष क्लीनिक



**बेमेतरा।** कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े तथा सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में 14 नवंबर को जिला चिकित्सालय बेमेतरा में विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम "Early Action on Diabetes" रखी गई, जिसका उद्देश्य मधुमेह की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान मधुमेह के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू, एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नितेश चौबे (बाल मधुमेह / टाइप-1 डायबिटीज नोडल अधिकारी) एवं डॉ. दीपक निराला, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. कमल कांत मेश्राम, WJCF फाउंडेशन से डॉ. स्वाति शर्मा एवं जिला सलाहकार RMNCH+A डॉ. राहुल राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने उपस्थित प्रतिभागियों को मधुमेह के कारण, लक्षण, बचाव एवं संतुलित आहार तथा खान-पान में आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं बाल मधुमेह / टाइप-1 डायबिटीज नोडल अधिकारी डॉ. नितेश चौबे ने बच्चों में होने वाले बाल मधुमेह (टाइप-1 डायबिटीज), उसके लक्षण, उपचार एवं नियमित देखभाल के संबंध में जानकारी प्रदान की। एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. कमल कांत मेश्राम ने मधुमेह के विभिन्न पहलुओं, इसकी रोकथाम, नियमित जांच एवं उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला।

### सुरक्षा के साथ मानवता का फर्ज निभा रही सीआईएसएफ

# लोहा गांव के आदिवासियों को बांटे कंबल और गर्म कपड़े



**बैलाडीला।** बैलाडीला की लौह अयस्क खदानों की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ की किरंदुल यूनिट के जवान सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए सीआईएसएफ जवानों ने बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे तराई में बसे दुर्गम लोहा गांव एवं पीडिया के आदिवासी ग्रामीणों को कंबल, चादर और गर्म ऊनी कपड़ों का वितरण किया। जवानों की इस पहल से ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। सामग्री वितरण का कार्यक्रम डिपॉजिट 11सी के धोभी घाट जंक्शन के पास स्थित आदिवासी विश्राम गृह में आयोजित किया गया। इस दौरान लोहा गांव के मुखिया छन्नू मांडवी सहित लगभग 50 ग्रामीण मौजूद रहे। इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। सीआईएसएफ जवानों ने ग्रामीणों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े, कंबल एवं चादर प्रदान किए।

### 18 किलोमीटर की दुर्गम दूरी, आज भी सड़क का इंतजार

बैलाडीला से लोहा गांव की कुल दूरी लगभग 18 किलोमीटर है। एनएमडीसी द्वारा ग्रामीणों की सुविधा के लिए 9 किलोमीटर तक बस सेवा उपलब्ध कराई गई है, जो धोभी घाट 11सी जंक्शन तक पहुंचती है। इसके आगे ग्रामीणों को लगभग 9 किलोमीटर का सफर जंगल और पहाड़ियों के बीच बनी पगडंडियों से पैदल तय करना पड़ता है। धोभी घाट 11सी जंक्शन से पहाड़ियों को काटकर फिलहाल करीब 2 किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है। शेष सड़क को जल्द पूरा करने की योजना बनाई गई है।

### नक्सलवाद के साये से निकलकर मुख्यधारा की ओर बढ़ रहा गांव

लोहा गांव कभी वर्षों तक नक्सलवाद के दंश से प्रभावित रहा है। एक समय ऐसा था जब यहां नक्सलियों की तथाकथित 'जनताना सरकार' चलती थी और शासन-प्रशासन की पहुंच बेहद सीमित थी। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। गांव तक प्रशासन की पहुंच बढ़ रही है और ग्रामीण धीरे-धीरे मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। सड़क, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास की उम्मीद के साथ गांव भी नई दिशा की ओर बढ़ रहा है।

### मुखिया छन्नू मांडवी ने जताया आभार

लोहा गांव के मुखिया छन्नू मांडवी ने भावुक होकर कहा कि पहले हमारे गांव को कोई जानता तक नहीं था, लेकिन आज लोग हमारे गांव से जुड़ रहे हैं। हमारे गांव में ठंड बहुत पड़ती है। ऐसे में किरंदुल सीआईएसएफ के जवान गांव के लोगों को गर्म कपड़े, कंबल और चादर दे रहे हैं। इसके लिए हम उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। सीआईएसएफ हमेशा हमारी मदद करती आई है और हमें उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह सहयोग मिलता रहेगा। सीआईएसएफ किरंदुल यूनिट की यह पहल बताती है कि जवानों की जिम्मेदारी केवल देश की संपत्ति और सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना भी उनके सामाजिक दायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

# बाल दिवस पर आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को किया याद



**गाजीपुर।** भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी, दूरदर्शी राजनेता, महान चिंतक एवं विद्वान पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के कैंप कार्यालय सकलेनाबाद में बाल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू केवल देश के प्रथम प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि एक असाधारण प्रतिभा के धनी, गहन अध्ययनशील लेखक, इतिहास और विश्व राजनीति के जानकार तथा आधुनिक भारत की कल्पना को साकार करने वाले दूरदर्शी राष्ट्रनिर्माता थे। उनकी शिक्षा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और इनर टेंपल, लंदन में हुई थी। उनकी बौद्धिक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक विचारधारा और अंतरराष्ट्रीय समझ ने भारतीय राजनीति एवं राष्ट्र निर्माण को नई दिशा प्रदान की।नेहरू जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की आजादी के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च शिक्षा, औद्योगिक विकास, कृषि एवं तकनीकी प्रगति को बढ़ावा दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों तथा बड़े सार्वजनिक उपक्रमों के विकास को प्रोत्साहन देकर उन्होंने आधुनिक भारत की मजबूत आधारशिला तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।नेहरू जी एक महान साहित्यकार भी थे। उनकी प्रसिद्ध पुस्तकें 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' और 'एन ऑटोबायोग्राफी' आज भी इतिहास, राजनीति और समाज को समझने के महत्वपूर्ण स्रोत मानी जाती हैं। बच्चों के प्रति उनके विशेष प्रेम और स्नेह के कारण बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। उनका मानना था कि आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे। इसी भावना के सम्मान में उनकी जयंती 14 नवंबर को पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि पंडित नेहरू जी का जीवन त्याग, संघर्ष, ज्ञान और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। उन्होंने देश को वैज्ञानिक सोच, धर्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य किया। उनके विचार आज भी देश की प्रगति के लिए मार्गदर्शक हैं। शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा एवं एआईसीसी सदस्य रविकांत राय ने संयुक्त रूप से कहा कि नेहरू जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ गंभीर विचारक, इतिहासकार और संवेदनशील लेखक भी थे। उन्होंने भारत को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर मारकंडेय सिंह एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि पंडित नेहरू जी का बच्चों के प्रति प्रेम केवल भावनात्मक नहीं था, बल्कि वे बच्चों को शिक्षित, संस्कारित, आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक सोच से परिपूर्ण देखना चाहते थे। बाल दिवस हमें प्रत्येक बच्चे को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य देने की जिम्मेदारी का एहसास कराता है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के आदर्शों, विचारों और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाने तथा देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव की रक्षा करने का संकल्प लिया।

# जिसकी जिम्मेदारी रेलवे की सुरक्षा, उसी RPF के SI की बाइक सुरक्षित नहीं! चांपा में एक ही रात दो मोटरसाइकिल चोरी

न्यू रेलवे कॉलोनी में दो Honda Shine पार, दूसरी वारदात का शिकायतकर्ता रेलवे सुरक्षा बल का उपनिरीक्षक; एफआईआर के बाद भी चोरों का सुराग नहीं, पुलिस की गश्त पर उठे सवाल



जांजगीर-चांपा। आम नागरिकों की सुरक्षा और अपराधों पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की होती है, लेकिन जब शहर में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आएं और चोरों का सुराग तक न मिले, तो सवाल उठना लाजिमी है। चांपा की न्यू रेलवे कॉलोनी में एक ही रात दो मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला कुछ ऐसा ही है। चौंकाने वाली बात यह है कि दूसरी चोरी के पीड़ित स्वयं रेलवे सुरक्षा बल (ञ्रक्षब्ल) में उपनिरीक्षक यानी स्ढ्ढ हैं। जिनकी जिम्मेदारी रेलवे परिसर और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी है, वे भी अपने घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल को चोरों से सुरक्षित नहीं रख पाए। अब दोनों मामलों में पुलिस की जांच और वाहन बरामदगी का इंतजार है।

**एक ही रात, एक ही कॉलोनी और दो मोटरसाइकिलें गायब**-उपलब्ध एफआईआर दस्तावेजों के मुताबिक, दोनों घटनाएं 9 अक्टूबर 2026 की रात की हैं। पहली घटना में न्यू रेलवे कॉलोनी, बिर्रा रोड चांपा निवासी रेलवे विभाग के एक कर्मचारी की लाल रंग की ॥श्ठ्ठस्ढ्ढ स्क स्ढ्ढद्बठ्ठद्द मोटरसाइकिल क्रमांक ब्रक्र-02ह्त-4435 चोरी हो गई। शिकायतकर्ता ने वाहन घर के अंदर सीढ़ी के नीचे खड़ा किया था। रात करीब 9 बजे सोने के बाद जब 10 अक्टूबर की सुबह लगभग 4:55 बजे बाहर आए, तो मोटरसाइकिल गायब मिली। वाहन की अनुमानित कीमत 15 हजार रुपये बताई गई है। दूसरी घटना में चोरों ने रेलवे सुरक्षा बल के एक उपनिरीक्षक की काली ॥श्ठ्ठस्ढ्ढ स्ढ्ढद्बठ्ठद्द मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त11ह्स्र-1848 को निशाना बनाया। शिकायत के अनुसार, ञ्रक्षब्ल के स्ढ्ढ 9 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे ड्यूटी से लौटे और अपनी बाइक घर के सामने खड़ी कर अंदर चले गए। अगले दिन सुबह करीब 5:15 बजे पड़ोसियों ने कॉलोनी में वाहन चोरी होने की जानकारी दी। बाहर आकर देखा तो उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। इस वाहन की कीमत भी करीब 15 हजार रुपये दर्ज है।

**ञ्रक्षब्ल के स्ढ्ढ की बाइक चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल**-इस मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि दूसरी घटना का शिकायतकर्ता कोई सामान्य वाहन मालिक ही नहीं, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल का उपनिरीक्षक है।

# चार छात्राओं का अखिल भारतीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन



**गाजीपुर।** ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के अंतर्गत त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ईस्ट जोन अंतर-विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पीजी कॉलेज, गाजीपुर की चार छात्राओं मन्नू यादव, शिवानी, पिंकी एवं सोनाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। चारों छात्राओं ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम का प्रतिनिधित्व किया।प्रतियोगिता में टीम मैनेजर एवं पीजी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमृता सिंह ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, संघर्ष एवं टीम भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है तथा उन्हें आगे भी इसी उत्साह के साथ खेलना चाहिए।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने चारों छात्राओं की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने टीम मैनेजर डॉ. अमृता सिंह के प्रयासों एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं।

# आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान, 17 नवंबर से होगा संघर्ष का आगाज, 11 और 12 दिसंबर को रायपुर में होगा दो दिवसीय प्रांतीय महापड़ाव, इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

## नियमितीकरण, 30 हजार रुपए मानदेय और सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपए देने की मांग



**सुरेंद्र कुमार देवांगन -दंतेवाड़ा :-** छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की लंबित मांगों और वर्षों से चली आ रही समस्याओं को लेकर अब आंदोलन तेज होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ जिला इकाई दंतेवाड़ा ने मांगों के निराकरण के लिए चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। संघ की जिला इकाई की ओर से कलेक्टर दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराया गया है। इस आंदोलन को दंतेवाड़ा से संभाग अध्यक्ष किरण नाग के नेतृत्व में चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा।संघ का कहना है कि प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रही हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का संतोषजनक निराकरण नहीं हो पाया है। इसी के चलते संगठन ने अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया है।तीन चरणों में होगा आंदोलन, रायपुर में महापड़ाव के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल-संघ की घोषित आंदोलन रूपरेखा के अनुसार प्रथम चरण में 17 नवंबर से 19 नवंबर 2026 तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में 11 दिसंबर से 12 दिसंबर 2026 तक राजधानी रायपुर में दो दिवसीय प्रांतीय महापड़ाव आयोजित किया जाएगा। इस महापड़ाव में प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपनी मांगों को लेकर एकजुट होकर आवाज बुलंद करेंगी। संगठन ने स्पष्ट किया है कि रायपुर में दो दिवसीय महापड़ाव के बाद भी यदि शासन की ओर से मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो तीसरे चरण में प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इस घोषणा से साफ है कि संगठन अब अपनी मांगों को लेकर निर्णायक संघर्ष के मूड में है।

**नियमितीकरण और 30 हजार रुपए मानदेय प्रमुख मांग**-संघ की प्रमुख मांगों में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का नियमितीकरण करना शामिल है। नियमितीकरण होने तक कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को 30 हजार रुपए मासिक मानदेय देने की मांग उठाई गई है।इसके अलावा आयु सीमा में छूट प्रदान करते हुए 200 से अधिक रिक्त पदों पर सीधी भर्ती में परीक्षा नहीं लेकर तत्काल 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति तथा सहायिकाओं को कार्यकर्ता के पद पर 50 प्रतिशत पदोन्नति का लाभ देने की मांग की गई है। वहीं सेवा समाप्ति के बाद कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को 10 लाख रुपए एकमुश्त राशि देने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है।

**पोषण ट्रैकर के लिए 5जी मोबाइल और 500 रुपए डेटा रिचार्ज की मांग**-संगठन ने अपनी विशेष मांगों में पोषण ट्रैकर ऐप में कार्य करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला 5जी मोबाइल उपलब्ध कराने की मांग की है। वर्तमान में दिए जा रहे नेटवर्क संबंधी साधनों को अपर्याप्त बताते हुए 500 रुपए प्रतिमाह डेटा रिचार्ज देने की मांग भी की गई है। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाले मानदेय को हर महीने की पहली से पांच तारीख के बीच एक साथ जमा कराने की मांग रखी गई है, ताकि कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

# जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया देशभर के जनजातीय समाज से वर्चुअल संवाद, दंतेवाड़ा के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की सहभागिता



**दंतेवाड़ा :-** धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस 2026 के तहत महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए और देशभर के जनजातीय समाज के लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर दंतेवाड़ा जिले में भी कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण किया गया, जिसमें जिले के जनप्रतिनिधियों, जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश अपनी विरासत, इतिहास और जनजातीय नायकों को गर्व के साथ याद कर रहा है। जनजातीय गौरव दिवस अब एक राष्ट्रीय उत्सव का स्वरूप ले चुका है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, साहस और उनके नेतृत्व में हुए उलगुलान आंदोलन को याद करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों के जनजातीय समुदायों के सदस्यों एवं शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद भी किया। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के पीएम-जनमन हितग्राही कृष्णा नागोराव टेका ने पक्के आवास, शौचालय एवं अन्य सुविधाएं मिलने से जीवन में आए बदलावों की जानकारी दी। वहीं गुजरात के भरूच जिले के हथकुंडी गांव के वजीर से प्रधानमंत्री ने बांस शिल्प प्रशिक्षण और न्यू गुजरात पैटर्न योजना के लाभों के संबंध में चर्चा की। प्रधानमंत्री ने जनजातीय समुदायों की आजीविका, अधिकारों और पारंपरिक कौशल को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया।इस राष्ट्रीय आयोजन के दौरान जनजातीय समाज के सशक्तीकरण के उद्देश्य से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, जनजातीय विरासत संरक्षण और सामुदायिक बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी लगभग 3,000 करोड़ रुपये की 246 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इनमें एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, पीएम-जनमन के अंतर्गत बहुउद्देशीय केंद्र तथा जनजातीय उत्पादों के विपणन से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

# आस्था और श्रद्धा के संग दंतेवाड़ा में छठ महापर्व की धूम, अस्ताचलगामी सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, पारंपरिक छठ गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की



**सुरेंद्र कुमार देवांगन-** दंतेवाड़ा :- लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर दंतेवाड़ा में श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला। छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती महिलाओं एवं पुरुषों ने पूरी आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण छठी मइया के जयकारों तथा पारंपरिक लोकगीतों से भक्तिमय हो उठा।महापर्व को लेकर सुबह से ही छठ व्रतियों और उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। घरों में पूजा की तैयारियां की गईं। व्रती महिलाओं ने पारंपरिक पूजा सामग्री, फल-फूल, गन्ना, नारियल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे सूप एवं दउरा लेकर पूजा स्थल की ओर प्रस्थान किया। छठ घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और डूबते हुए सूर्य को जल एवं दूध से अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की।छठ गीतों से गूंजे घाट, दिखी लोक संस्कृति की झलक-छठ महापर्व के दौरान महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले पारंपरिक छठ गीतों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। व्रतियों के साथ परिवार के सदस्य भी पूजा में शामिल हुए। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में पर्व को लेकर उत्साह दिखाई दिया। पूजा स्थलों पर पारंपरिक वेशभूषा, सजे हुए पूजा के सूप और प्रसाद की टोकरी ने छठ पर्व की सांस्कृतिक छटा को और भी आकर्षक बना दिया।36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत में दिखी अटूट आस्था-छठ महापर्व को कठिन तपस्या और अनुशासन का पर्व माना जाता है। व्रती महिलाएं एवं पुरुष लगभग 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्य और छठी मइया की आराधना करते हैं। इस पर्व में स्वच्छता, पवित्रता, संयम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का विशेष महत्व है। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अब सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती अपने कठिन व्रत का पारण करेंगे।

## जिले के कुआकोंडा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम पूरंगेल, बेंगपाल एवं बड़ेपल्ली में

# मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रशासनिक टीम ने किया सघन दौरा

बंद पड़े निर्माण कार्यों को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश, ग्रामीणों की मांगों के अनुरूप प्राथमिकता से तैयार होंगे विकास कार्यों के प्रस्ताव



**दंतेवाड़ा :-**जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों में शासन की योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में कुआकोंडा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पूरंगेल, बेंगपाल एवं बड़ेपल्ली का प्रशासनिक टीम द्वारा सघन दौरा किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, बिजली एवं सौर ऊर्जा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। दौरे में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित बीबी-जी राम जी शाखा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, क्रेडा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम शामिल रही।प्रशासनिक टीम ने ग्रामों में संचालित एवं निर्माणाधीन विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों का जायजा लिया गया। निरीक्षण में जिन स्थानों पर निर्माण कार्य बंद अथवा धीमी गति से संचालित पाए गए, वहां संबंधित ठेकेदारों को तत्काल कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी लंबित निर्माण कार्यों को एक माह के भीतर पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क एवं पुलिया निर्माण, देवगुड़ी में तार फेंसिंग एवं शेड निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। अधिकारियों ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना तथा स्थानीय जरूरतों एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजने की बात कही। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं व्यक्तिमूलक योजनाओं से जोड़ने के लिए राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता परिचय पत्र, जॉब कार्ड एवं आधार कार्ड बनवाने से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी एकत्रित किए गए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन गांवों में विकास की पहुंच सुनिश्चित करना, ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं का मौके पर समाधान करना तथा आवश्यकतानुसार नए विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाकर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। प्रशासन द्वारा ऐसे क्षेत्रों में निरंतर मैदानी भ्रमण कर विकास कार्यों की प्रगति की निगरानी एवं ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।इस दौरान जनपद पंचायत कुआकोंडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# कलेक्टर महोबे ने खोखरा एवं कुटरा उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

किसानों की सुविधा और व्यवस्थित खरीदी के लिए व्यवस्थाओं का लिया जायजा



**जांजगीर-चांपा,** जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पहले दिन कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने खोखरा एवं कुटरा धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी कार्य एवं किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधकों से एग्रीस्टैक पंजीयन, धान विक्रय के लिए पंजीकृत किसानों की संख्या तथा टोकन वितरण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखने, धान की व्यवस्थित स्टैकिंग करने तथा पेयजल, छाया, शेड सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने तथा केंद्रों में निगरानी एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं। इस अवसर पर उप पंजीयक सहकारिता श्रीमती मंजू पांडेय, जिला खाद्य अधिकारी संदीप पांडेय ,जिला विपणन अधिकारी मनोज यादव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



# क्या होता है डोपामाइन डिटॉक्स

आज के समय में सोशल मीडिया, गेमिंग, शौपिंग जैसी एक्टिविटी से लोग बहुत एडिक्टिव हैं क्योंकि इन एक्टिविटी को करने के बाद आपके दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज़ होते हैं। इन हार्मोन के रिलीज़ होने के कारण आपको बार-बार ये एक्टिविटी करने का मन करता है। इन हार्मोन में सबसे मुख्य डोपामाइन हार्मोन है जो आपको अच्छा महसूस करवाता है। पर आज के समय में लोग इस बात से सतर्क हो चुके हैं और अब डोपामाइन डिटॉक्स का ट्रेंड चल रहा है।

## डोपामाइन डिटॉक्स क्या होता है

जैसे की आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए व्रत रखते हैं वैसे ही आपके दिमाग को डिटॉक्स करने के लिए डोपामाइन से व्रत रखा जाता है। इसका मतलब है कि आप ऐसी कोई भी एडिक्टिव एक्टिविटी न करें जिससे आपका डोपामाइन रिलीज़ हो। इसकी मदद से आप अपनी आदतों को सुधार सकते हैं या अपने लाइफस्टाइल को बदल सकते हैं। इन एक्टिविटी में मीठा न खाना, शौपिंग, गेमिंग, सोशल मीडिया, ड्रग्स या स्ट्रीट फूड न खाने जैसी चीज़ें शामिल हैं। इन सभी एक्टिविटी के कारण आपको अच्छा लगता है लेकिन आपकी हेल्थ, लाइफस्टाइल और फाइनेंस पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि डोपामाइन डिटॉक्स कोई साइंटिफिक रिसर्च नहीं है ये टर्म केवल इंटरनेट पर ही प्रचलित है। डोपामाइन डिटॉक्स की मदद से आप सिर्फ अपनी आदतों को सुधार सकते हैं लेकिन दिमाग में बनने वाले केमिकल या हार्मोन डोपामाइन को रोक नहीं सकते हैं। पर इसकी मदद से आप अपनी खुशी के लिए किसी आदत पर निर्भर नहीं होंगे।

## कैसे काम करता है डोपामाइन डिटॉक्स

डोपामाइन डिटॉक्स के दौरान, एक व्यक्ति एक निर्धारित अवधि के लिए डोपामाइन ट्रिगर से बचता है वो एक घंटे से लेकर कई दिनों तक हो सकता है। उद्धरण के रूप में अगर आपको मीठा खाना अच्छा लगता है और आपको इससे खुशी मिलती है तो डोपामाइन डिटॉक्स के ज़रिए आप पूरे 1 दिन या कई दिनों तक मीठा खाना छोड़ देंगे। ऐसा करने से आपको किसी भी चीज़ का एडिक्शन कम होगा और आप उस आदत को कंट्रोल कर सकते हैं। रिसर्च के अनुसार हमारे दिमाग में नैचुरली दोपमिनें प्रोड्यूस होता है तो इसको रोकना असंभव है। साथ ही ये आपके लिए ज़रूरी भी है इसलिए आप इसे पूरी तरह से नही रोक सकते। उद्धरण के लिए अगर आपने मीठा खाना बंद किया है तो आप किसी और चीज़ को खाना शुरू करेंगे या शुगर फ्री खाने को प्राथमिकता देंगे। लेकिन आप पूरी तरह से उस चीज़ पर कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। साथ ही डोपामाइन आपके शरीर के लिए ज़रूरी है इसलिए इस पर पूरी तरह से कंट्रोल करने से आपके दिमाग पर प्रभाव पड़ेगा।



# बदल कर खाना चाहिए रिफाइंड तेल

हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि खाने में अलग-अलग तेलों का उपयोग करने से शरीर में फैट और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतर सन्तुलन होता है। दरअसल हर तेल में कुछ गुण और कुछ कमियाँ होती हैं। इन्हें बदलते रहने से कमियों को दूर कर गुणों को बढ़ाया जा सकता है। तेल भारतीय भोजन का जरूरी हिस्सा है, लेकिन सेहत की जब भी बात होती है तो तेल की मात्रा और उसके प्रकारों को लेकर चर्चा जरूर होती है। इसका कारण यह है कि मोटापा, कोलेस्ट्राल, हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए तेल को सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है। इ बीमारियों के अतिरिक्त भी तेल को शरीर की कई अन्य बीमारियों का कारण माना जाता है। सवाल यह उठता है कि आखिर कौन सा तेल खाना चाहिए। कौन सा तेल सेहत के लिए फायदेमन्द है और कौन सा खराब है। इसकी सही मात्रा और तरीका क्या है।

### भोजन में तेल की आवश्यकता क्या है

भोजन में तेल की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह शरीर की ऊर्जा के लिए जरूरी फैट उपलब्ध कराता है। तेल में फैट की मात्रा काफी होती है। इसमें कई फैट जैसे सैचुरेटेड फैट, मोनोअनसैचुरेटेड फैट और पॉली अनसैचुरेटेड फैटी एसिड शामिल होते हैं। इसके अलावा खाद्य तेलों में कई एंटीऑक्सीडेंट जैसे टोकॉफेरोल्स, ओरीजानोल, कैरोटेनॉइड्स, टोकोट्रिनोल, फाइटोस्टेरोल और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भी शामिल होते हैं। तेल में पाए जाने वाले फैट को शरीर ऊर्जा के लिए इस्तेमाल करता है। शेष अन्य मेटाबॉलिज्म को बेहतर करते हैं।

### क्यों नहीं खाना चाहिए भोजन में अधिक तेल

इंसानी शरीर अधिक फैट नहीं पचा सकता। शरीर में फैट जमा होने से बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में तेल से मिला फैट हमारे शरीर में जमा होने लगता है, जिससे दिल सम्बन्धी बीमारियाँ और ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। दरअसल अनसैचुरेटेड फैट से निकला एसिड सीधे खून में मिलकर उसकी ऊर्जा की जरूरतों को बढ़ाता है जबकि सैचुरेटेड फैट वाले तेल से निकला एसिड सीधे हमारे लिवर में जाकर इकट्ठा होता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है।

### सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर

भोजन पकाने के लए कौन-सा तेल बेहतर है इस सवाल के जवाब में यह कहा जा सकता है कि भोजन पकाने के लिए सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर है। वैसे किसी भी प्रकार के तेल को रिफाइन करने के लिए 6 से 7 केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। जब इसे डबल रिफाइन किया जाता है तो केमिकल की संख्या 12 से 14 हो जाती है। ये केमिकल बेहद हानिकारक होते हैं। सनफ्लावर, राइस ब्रान, ग्राउंडनट, सोयाबीन, कुछ ऑलिव ऑइल भी रिफांइड होते हैं। सरसों, नारियल, जैतून और तिल का तेल कोल्ड प्रेस तकनीक से निकाले जाते हैं।

### तेल को कितनी आंच में पकाना चाहिए

180 डिग्री से अधिक आंच में पका तेल नुकसानदायक होता है। स्मोकिंग पॉइंट के आधार पर तेलों के दो वर्ग हैं। पहला है-हाई स्मोकिंग पॉइंट यानी जिन्हें 204 डिग्री सेल्सियस तक पका सकते हैं, इनमें एवोकाडो, कैनोला, कॉर्न व मूंगफली का तेल शामिल है। दूसरा है-लो स्मोक पॉइंट, इन्हें 107 डिग्री सेल्सियस तक गर्म कर सकते हैं। इनमें फ्लैक्स सीड्स, पंपिकन सीड्स, वॉलनट्स ऑयल शामिल हैं, लेकिन इनका उपयोग भोजन पकाने के लिए नहीं होता। निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि शरीर तेल से मिले फैट को ज्यादा नहीं पचा पाता, यह शरीर में जमता है, मोटापा और रोग बढ़ाता है।



# दूध वाली चाय से ज्यादा शरीर के लिए लाभदायक है ग्रीन टी

भारत में हर किसी को सुबह उठते ही फटाफट चाय की याद आती है। बस एक कप चाय मिल जाए और सारी नींद गायब हो जाए। अब ऐसे में कुछ लोग दूध वाली चाय पीते है तो कुछ लोग ग्रीन टी। कोरोना महामारी के बाद से लोगों के बीच ग्रीन टी ज्यादा प्रचलित हो गई है। हालांकि, ग्रीन टी पीने से वजन तेजी से कम होता है। जो लोग फिटनेस के प्रति जागरूक हैं, वे सुबह-शाम ग्रीन टी पीना पसंद करते हैं। वैसे तो चाय कोई भी हो, उसे पीने से मूड एकदम फ्रेश हो जाता है। कुछ लोगों को चाय पीने से काफी ऊर्जा भी मिलती है। अब कुछ लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या दोनों तरह की चाय एक साथ पी सकते हैं। आज हम अपने पाठकों को इसी के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। साथ ही हम बताएंगे कि इन दोनों चायों को एक साथ पीने से सेहत को क्या नुकसान होता है।

हाल ही में प्रकाशित हुए एक शोध के मुताबिक, अगर आप इन दोनों चायों को एक साथ पीते हैं तो इससे आपकी सेहत को कोई नुकसान नहीं होता है। यानि आप दूध वाली चाय के बाद ग्रीन टी पी सकते हैं। आप ये दोनों चाय आराम से पियें। लेकिन हर दिन ऐसा करने से आपका पाचन गड़बड़ भी हो सकता है, इसलिए ध्यान रखें कि इनका सेवन थोड़ी देरी से करें।

### दो तरह की चाय एक साथ

आपको बता दें, इन दोनों चाय में पर्याप्त मात्रा में कैफीन होता है। साथ ही दोनों में कैफीन का स्तर भी अलग-अलग होता है। इस कारण दोनों चाय का शरीर पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा अगर आपको लैक्टोज सेवन की समस्या है तो आपको दूध वाली चाय पीने से बचना चाहिए। आप हर्बल टी यानि ग्रीन टी पसंद करते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो ग्रीन टी ज्यादा फायदेमंद होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिन्हें पीने से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है। इसलिए आपको दूध वाली चाय से ज्यादा ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

# कड़वे स्वाद के बावजूद स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है करेला

**करेला खाने में कड़वा लगता है, इसका जूस पीने में जहरीला सा लगता है। लेकिन यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। विशेष रूप से करेला डायबिटीज का काल माना जाता है। करेला वैसे काफी लोगों को पसंद नहीं होता लेकिन काफी लोग ऐसे भी हैं, जो करेला खाना बहुत पसंद करते हैं। अगर आप करेले से होने वाले स्वास्थ्य के फायदों के बारे में जानेंगे तो आपको आश्चर्य होगा कि कड़वा होने के बावजूद ये करेला आपकी सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। आज हम अपने पाठकों को करेल का जूस या करेला खाने से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं–**

### मुंह के छालों में करेला

कई बार मुंह के छालों के इलाज के लिए लोग उल्टे-सीधे उपाय करते हैं। नतीजन मुंह के छाले सही होने के बजाय बिगड जाते हैं। कई बार ये कैंसर का भी रूप ले लेता है। लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि करेले का इस्तेमाल करें। करेले का रस निकालें उसमें मुलतानी मिट्टी मिलाकर इसका पैस्ट बनाएं और इसे छालों पर लगाएं। अगर मुलतानी मिट्टी नहीं है तो भी करेले के रस को छालों पर रूई से लगा सकते हैं। मुंह के छालों पर लगाकर लार बाहर निकालें। अगर करेले की पत्तियां मौजूद नहीं है तो करेले के छिलके का रस निकालकर आप छालों पर लगाए। आराम मिलेगा।

### मोटापा कम करे

डायबिटीज के साथ-साथ करेले का जूस मोटापा कम करने में हेल्प करता है। यह इंसुलिन को एक्टिव करता है जिससे बॉडी में बनने वाला शुगर फैट का रूप नहीं ले पाता है। इससे फैट कम करने और कंट्रोल करने में हेल्प मिलती है। इसके अलावा करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है जिससे कैलोरी कंट्रोल में रहती है और वजन नहीं बढ़ता है। साथ ही इसे पीने से बॉडी अच्छे से डिटॉक्स होती है और इससे वेट कंट्रोल में रहता है। सिमरन सैनी का कहना है कि करेला का जूस पीने से लिवर पित एसिड को स्रावित करने के लिए उत्तेजित करता है जो बॉडी में फैट के चयापचय के लिए आवश्यक हैं।

### हार्ट के लिए अच्छा

करेले का जूस ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को काफी कम कर देता है। यह आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होने के कारण स्ट्रोक के खतरे को कम करने और हार्ट को हेल्दी रखने के लिए जाना जाता है। यह बॉडी के ब्लड प्रेशर को भी बनाए रखता है क्योंकि यह पोटेशियम से भरपूर होता है, जो बॉडी में एक्स्ट्रा सोडियम को अवशोषित करता है।

### पथरी रोगियों के लिए अमृत

पथरी रोगियों को दो करेले का रस पीने और करेले की सब्जी खाने से आराम मिलता है। इससे पथरी गलकर धीरे-धीरे बाहर निकल जाती है। 20 ग्राम करेले के रस में शहद मिलाकर पीने से पथरी गल कर पेशाब के रास्ते निकल जाती है। इसके पत्तों के 50 मिलीलीटर रस में हींग मिलाकर पीने से पेशाब खुलकर आता है।





# सूखे मेवों में अखरोट है ज्यादा फायदेवाला

**खानपान में उन्हीं चीजों को शामिल करें जिनका सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। ड्राई फ्रूट अर्थात सूखे मेवे हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसलिए अक्सर डॉक्टर द्वारा इन्हें खाने की सलाह दी जाती है। आज हम बात करने जा रहे हैं अखरोट की जो एक सुपरफूड हैं और स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।**

अखरोट में प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, फॉस्फोरस, कॉपर, सेलेनियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे कई पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। अपने दिन को अच्छे से शुरू करने के लिए आप रोजाना सुबह इसे अपनी डायट में शामिल कर सकते हैं। अगर आप अखरोट को रात भर के लिए भिगो कर अगले दिन खाते हैं तो भी आपको कई बेनिफिट मिलते हैं।

### ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल

अगर आप रोजाना इस जादुई ड्राई फ्रूट का सेवन करते हैं तो आपका ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है डाइटरी फाइबर्स में रिच होने के कारण अखरोट ब्लड शुगर लेवल को कण्ट्रोल करने के लिए जाना जाता है।बता दें कि फाइबर को टूटने और पचने में ज्यादा समय लगता है,इसलिए ये ब्लड स्ट्रीम में शुगर की स्पीड को इंश्योर करता है।

### मिर्गी से बचाव

अखरोट खाने के फायदे मिर्गी की समस्या को दूर रखने के लिए भी हो सकते हैं। दरअसल, फ्री रेडिकल्स के अधिक उत्पादन से मिर्गी और न्यूरोलॉजिकल जैसे विकारों का जोखिम बढ़ जाता है। इस समस्या को कम करने के लिए एंटीकॉन्वल्सेंट दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। यह दवा मिर्गी के दौरे को कुछ कम कर सकती है।

### नींद की परेशानी होगी दूर

गौरतलब है कि मोबाइल फोन के ज्यादा प्रयोग की आदत और दूसरे कारणों से आजकल बहुत से लोगों को नींद न आने की समस्या का सामना करना पड़ता है और आपको ये जानकर आश्चर्य हो सकता है कि ये ड्राई फ्रूट आपको बिस्तर पर पर्याप्त नींद देने में अच्छा है।नींद की परेशानी को दूर करने के लिए आपको अपने डेली की डाइट में अखरोट को शामिल करना चाहिए। बता दें कि इससे आपकी नींद की समस्या खत्म हो जाएगी।

### बूस्ट होता है मेटाबॉलिज्म

अखरोट आयरन, पोटैशियम, जिंक और कैल्शियम से भरपूर होता है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। इसी के साथ फाइबर की मात्रा शरीर को भरा रखती है जिससे आपको बार-बार स्नैकिंग से बचने में मदद मिल सकती है। ऐसे में आपना वजन भी कम होता है।

### मस्तिष्क के लिए फायदेमंद

मानव मस्तिष्क के आकार का यह फल वाकई आपके मस्तिष्क के लिए बेहद फायदेमंद है। मौजूद ओमेगा 3 मस्तिष्क की समस्याओं को दूर कर तनाव कम करने में भी सहायक है। नियमित रूप से अखरोट को अपनी डाइट में शामिल कर आप मस्तिष्क को स्वास्थ बनाए रख सकते हैं।

### कैंसर का खतरा करे कम

अखरोट का सेवन करने से कैंसर से बचाव किया जा सकता है। इससे प्रोस्टेट कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है। अखरोट में पाई जाने वाली पॉलिफेनॉल इलागिटैनिन्स पाया जाता है जो कैंसर से सुरक्षित रखने में आपकी मदद करता है।

### दिल के लिए फायदेमंद

हृदय रोग के खतरे को बहुत हद तक कम करता है। साथ ही याददाश्त के लिए बहुत अच्छा होता है।गौरतलब है कि दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हृदय रोग के कारण होती है। इसीलिए हृदय को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी होता है। अध्ययन में पाया गया है कि अखरोट के सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है क्योंकि अखरोट का तेल एंडोथेलियल फंक्शन के लिए अधिक अनुकूल होता है।

# जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने किया रक्तदान, स्काउट-गाइड शिविर में 35 लोगों ने किया महादान

**बाल दिवस, भगवान बिरसा मुंडा जयंती और विभिन्न पर्वों के अवसर पर जिला अस्पताल परिसर में लगा रक्तदान शिविर**

दुर्ग। सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश देते हुए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बाल दिवस, स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व और छठ पूजा के अवसर पर आयोजित इस शिविर में जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त जगजीत सिंह धीर ने स्वयं रक्तदान कर समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में कुल 35 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी निभाई।जिलाधीश अभिजीत सिंह के निर्देश एवं जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य युवाओं और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना रहा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय आयुक्त के.के. खंडेलवाल के छत्तीसगढ़ प्रवास के अवसर पर भी जिला




संघ द्वारा यह विशेष आयोजन किया गया।

शिविर में पहुंचे जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने स्वयं रक्तदान किया और स्काउटर, गाइडर, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर बच्चों को आशीर्वाद देते हुए सेवा और समर्पण की भावना के साथ सदैव तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।जिला संगठन आयुक्त बालक दास राऊत के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में विकासखंड सचिव ललित कुमार बिजैरा, गाइडर कल्पना शुक्ला, शासकीय विद्यालय तेलीगुंडरा पाटन की प्राचार्य कुमुद साहू सहित अनेक स्काउटर एवं गाइडर सक्रिय रूप से शामिल हुए। विशेष बात यह रही कि खंडेलवाल परिवार के एक ही घर के चार सदस्यों ने भी भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर रक्तदान कर सेवा का अनुकरणीय संदेश दिया।रक्तदान शिविर को सफल बनाने में जिला गाइडर नेहा उपाध्याय, अन्नपूर्णा रामटेके, ए. अमृतलाल सोनी, सुखेन्द्र देवांगन और नंदू यादव का विशेष सहयोग रहा। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैंप-1 भिलाई के स्काउट-गाइड विद्यार्थियों ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस आयोजन ने बाल दिवस और भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर सेवा, त्याग, सामाजिक एकजुटता और मानवता का संदेश दिया।

# भाजपा सरकार में जनजातीय समाज का हो रहा सर्वांगीण विकास, जनजातीय गौरव दिवस बना देश के गौरव और जनजातीय अस्मिता का प्रतीक - जितेन्द्र वर्मा



दुर्ग। भाजपा प्रदेश मंत्री श्री जितेन्द्र वर्मा ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा जी को नमन करते हुए कहा कि उनका अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण सदैव हम सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकारों और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महानायकों के अद्वितीय संघर्ष, त्याग और बलिदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने के उद्देश्य से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक पहल की जो स्वागतेय हैं भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, रोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। दशकों तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहे जनजातीय क्षेत्रों में आज बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और जनजातीय परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा जी ने आगे कहा कि जनजातीय समाज के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण जनजातीय बजट में हुई उल्लेखनीय वृद्धि है। जनजातीय बजट ?4,498 करोड़ से बढ़कर ?15,422 करोड़ हो गया है। वहीं, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के उत्थान के लिए ?24,104 करोड़ की प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) योजना संचालित की जा रही है साथ ही 1,15,200 लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही 22,674 जनजातीय किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है।भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने आगे कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से छत्तीसगढ़ के 6,691 जनजातीय गांवों में 25 विकास गतिविधियों के माध्यम से 11 लाख से अधिक परिवारों को लाभान्वित करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। नया रायपुर में देश के पहले डिजिटल जनजातीय संग्रहालय की स्थापना जनजातीय गौरव को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।जनजातीय क्षेत्रों में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# पचेड़ा में 36.18 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात, विधायक ब्यास कश्यप ने किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सड़क, नाली, महाराणा प्रताप भवन, मुक्तिधाम और बालिका शौचालय सहित पांच विकास कार्यों को मिली स्वीकृति



**नवागढ़।** जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत पचेड़ा में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की सौगात दी। इन कार्यों के लिए कुल 36 लाख 18 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन निर्माण कार्यों से गांव में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही ग्रामीणों को आवागमन, जल निकासी एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।विधायक ब्यास कश्यप के कर-कमलों से जिन कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया, उनमें 7 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से महाराणा प्रताप भवन निर्माण, 5 लाख 68 हजार रुपये की लागत से मुक्तिधाम सह प्रतीक्षालय निर्माण तथा 3 लाख 50 हजार रुपये की लागत से शासकीय विद्यालय में बालिका शौचालय निर्माण कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। सड़क, नाली, सामाजिक भवन, मुक्तिधाम एवं विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं का निर्माण गांव के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं और ग्रामीणों की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच बिंद्रा कश्यप, उपसरपंच अभिषेक सिंह, पंचायत सचिव भूपेंद्र सिंह सहित ग्रामीणजन राकेश सिंह, अशोक कश्यप, दुर्योधन बरेठ, सतीस सिंह, शत्रुहन कश्यप।

# वैशाली नगर विधानसभा को 5.09 करोड़ की सौगात, 9 विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

**विधायक रिकेश सेन के प्रयासों से 15वें वित्त आयोग के तहत मिली मंजूरी, सीसी रोड, उद्यानों में प्रकाश व्यवस्था और डिवाइडर पोल लगाने होंगे कार्य**

**भिलाई नगर।** वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और नागरिक समस्याओं के निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। विधायक रिकेश सेन के प्रयासों के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत क्षेत्र के 9 विकास कार्यों के लिए कुल 5 करोड़ 9 लाख 68 हजार रुपये की शासकीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत कार्यों में सीसी रोड निर्माण, सार्वजनिक उद्यानों के आसपास प्रकाश व्यवस्था, सड़क किनारे डिवाइडर पोल लगाने और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास शामिल है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन, सुरक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं के मामले में राहत मिलने की उम्मीद है।

सीसी रोड निर्माण के लिए 4.15 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत-स्वीकृत विकास कार्यों में सबसे बड़ी राशि जोन क्रमांक-2 वैशाली नगर में सीसी रोड निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा वैशाली एलआईजी-72 से ईडब्ल्यूएस-228 तक सीसी रोड निर्माण के लिए 18 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं वार्ड क्रमांक-12 में सिरसा मुख्य मार्ग से आर्य नगर कोहका पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 47.96 लाख रुपये तथा आर्य नगर कोहका काली मॉदर के पास सीसी रोड निर्माण के लिए 49.17 लाख रुपये की मंजूरी मिली है। इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही बारिश के दिनों में कीचड़ और खराब रास्तों से होने वाली परेशानियों में कमी आने की उम्मीद है।



**वार्ड-20 के उद्यानों में होगी रोशनी, सुरक्षा पर भी जोर**-वार्ड क्रमांक-20 के चार सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था और विकास कार्यों के लिए 15-15 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इनमें दुर्गा मंदिर बाबा दीप सिंह के सामने उद्यान के पास, पप्पू पाजी के घर के सामने बाबा दीप सिंह नगर में उद्यान के पास, पार्क क्षेत्र तथा सिंधु भवन के सामने स्थित उद्यान के पास प्रकाश व्यवस्था के कार्य शामिल हैं।इन कार्यों से शाम और रात के समय उद्यानों में आने वाले बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही सार्वजनिक स्थलों का उपयोग अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो सकेगा।

**हाईटेक अस्पताल से मॉडल टाउन मार्ग तक लगेंगे डिवाइडर पोल**-वार्ड क्रमांक-3 में हाईटेक अस्पताल से ग्लोबल सॉफ्टवेयर जोन वाले मार्ग तथा मॉडल टाउन के अन्य स्थानों पर डिवाइडर पोल लगाने के लिए 34.55 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे सड़क के डिवाइडर क्षेत्र को व्यवस्थित करने, यातायात को बेहतर दिशा देने और सड़क के सौंदर्यीकरण में मदद मिलेगी।

**अब निगम की जिम्मेदारी, समय पर धरातल पर उतरें विकास कार्य**-वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार के साथ सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं की मांग भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में 9 विकास कार्यों के लिए मिली स्वीकृति को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विधायक रिकेश सेन द्वारा क्षेत्र की जरूरतों और नागरिकों की समस्याओं को शासन के समक्ष उठाने के प्रयासों के बाद मिली इस मंजूरी से विकास कार्यों का रास्ता साफहुआ है। अब नगर पालिक निगम भिलाई की जिम्मेदारी होगी कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर इन कार्यों को समयबद्ध तरीके से शुरू और पूर्ण कराया जाए, ताकि स्वीकृत राशि का वास्तविक लाभ क्षेत्र के नागरिकों को मिल सके।

# भक्ति और आस्था के बीच संपन्न हुआ 29वां स्कंदषष्ठी महोत्सव, राज्यपाल रमेन डेका ने दी महापूर्णाहुति

हुड़को स्थित स्कंद आश्रम में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ महोत्सव का समापन, लगातार दूसरे वर्ष शामिल हुए राज्यपाल



**भिलाई/दुर्ग, 15 नवंबर 2026।** भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुड़को भिलाई स्थित स्कंद आश्रम में आयोजित 29वें स्कंदषष्ठी महोत्सव का रविवार को विधि-विधान के साथ समापन हुआ। महोत्सव की महापूर्णाहुति में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका शामिल हुए। उन्होंने धार्मिक अनुष्ठान के तहत आयोजित हवन में आहुतियां अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।उल्लेखनीय है कि राज्यपाल रमेन डेका लगातार दूसरे वर्ष स्कंदषष्ठी महोत्सव में शामिल हुए। उनके आगमन से आश्रम परिसर में आयोजित धार्मिक आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। समापन दिवस पर सुबह से ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के चलते पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।महोत्सव के अंतिम दिन ऋण विमोचन गणपति हवन, श्री शत्रु संहार सुब्रमण्या त्रिसदी हवन, वटुक राजा पूजा, कन्या पूजा, सुभाषिनी पूजा एवं दम्पत्ति पूजा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापूर्णाहुति के साथ 29वें स्कंदषष्ठी महोत्सव का विधिवत समापन हुआ।इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित प्रशासनिक अधिकारी, आयोजन समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# बाल दिवस पर आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को किया याद



**गाजीपुर।** भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी, दूरदर्शी राजनेता, महान चिंतक एवं विद्वान पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के कैंप कार्यालय सकलेनाबाद में बाल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू केवल देश के प्रथम प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि एक असाधारण प्रतिभा के धनी, गहन अध्ययनशील लेखक, इतिहास और विश्व राजनीति के जानकार तथा आधुनिक भारत की कल्पना को साकार करने वाले दूरदर्शी राष्ट्रनिर्माता थे। उनकी शिक्षा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और इनर टेंपल, लंदन में हुई थी। उनकी बौद्धिक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक विचारधारा और अंतरराष्ट्रीय समझ ने भारतीय राजनीति एवं राष्ट्र निर्माण को नई दिशा प्रदान की।नेहरू जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की आजादी के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, उच्च शिक्षा, औद्योगिक विकास, कृषि एवं तकनीकी प्रगति को बढ़ावा दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों तथा बड़े सार्वजनिक उपक्रमों के विकास को प्रोत्साहन देकर उन्होंने आधुनिक भारत की मजबूत आधारशिला तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।नेहरू जी एक महान साहित्यकार भी थे। उनकी प्रसिद्ध पुस्तकें 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' और 'एन ऑटोबायोग्राफी' आज भी इतिहास, राजनीति और समाज को समझने के महत्वपूर्ण स्रोत मानी जाती हैं।

बच्चों के प्रति उनके विशेष प्रेम और स्नेह के कारण बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। उनका मानना था कि आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे। इसी भावना के सम्मान में उनकी जयंती 14 नवंबर को पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है।

**पहले दिन 92 केंद्रों में 1938 क्विंटल धान की खरीदी का लक्ष्य, विधायक ललित चंद्राकर ने अण्डा समिति में किया शुभारंभ**

# दुर्ग जिले में धान खरीदी महाअभियान का आगाज, 123 केंद्रों पर होगी खरीदी







**दुर्ग, ।** छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए धान खरीदी का बहुप्रतीक्षित महाअभियान आज से शुरू हो गया। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत दुर्ग जिले के सभी 123 धान उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हुई। सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने पूजा-अर्चना के साथ अभियान का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन एवं नमी मापी यंत्र का पूजन किया। भगवान बलराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर धान खरीदी की शुरुआत की गई। इस दौरान धान बेचने पहुंचे किसानों का पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। अण्डा निवासी किसान राजेश चंद्राकर के धान की तौल के साथ खरीदी की औपचारिक शुरुआत हुई।

**इस साल 21 नए केंद्रों के साथ 123 उपार्जन केंद्र**-जिले में इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था का विस्तार करते हुए 21 नए उपार्जन केंद्र बढ़ाए गए हैं। पिछले वर्ष जहां 102 केंद्रों में खरीदी हुई थी, वहीं इस बार 123 केंद्रों में किसानों से धान लिया जाएगा। पहले दिन 92 उपार्जन केंद्रों में कुल 1938 क्विंटल धान की खरीदी प्रस्तावित है। अण्डा समिति में पहले दिन 25 किसानों से 1230 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। इस समिति के अंतर्गत कुल 1980 किसान पंजीकृत हैं। जिला प्रशासन ने इस वर्ष जिले में लगभग छह लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है।

**2441 और 2461 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा समर्थन मूल्य**-शासन द्वारा धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 2461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिले में धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक चलेगी। इस दौरान शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर नियमित रूप से खरीदी की जाएगी। उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

**किसानों की सुविधा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विधायक**-शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि धान छत्तीसगढ़ की पहचान और यहां के किसानों की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। उन्होंने बताया कि प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले किसानों को भी 13,839 रुपये की आदान सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने किसानों से निर्धारित समयावधि में उपार्जन केंद्रों पर धान बेचने की अपील की।संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने किसानों को धान खरीदी अभियान की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर साल खरीदी व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि व्यवस्था में किसी तरह की समस्या आने पर प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि उसका त्वरित निराकरण किया जा सके।कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष जिले में 21 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए गए हैं। सभी केंद्रों में खरीदी के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। नए उपार्जन केंद्रों के लिए जिला प्रशासन द्वारा भूमि आवंटित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत इन केंद्रों में किसान कुटीर सहित अन्य निर्माण कार्य भी कराए जाएंगे। कार्यक्रम में सीसीबी के सीईओ सुनील वर्मा ने धान खरीदी की प्रक्रिया और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन स्तर पर की गई पहल की जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com